A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 11 सितम्बर , 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-14 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

झारखंड चुनाव : 'सरना आदिवासी धर्म कोड' का क्या होगा असर?

नीरज सिन्हा

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले झारखंड में सत्तारूढ़ जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासियों के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग 'सरना धर्म कोड' को नए सिरे से उछाल दिया है। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी और केंद्र सरकार से उनकी मंशा पर सवाल किए हैं। जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग कॉलम निर्धारित करने की यह मांग उनकी भावना और पहचान से जुड़ी है। झारखंड में इस मांग को लेकर अलग-अलग आदिवासी संगठन लगातार आंदोलन करते रहे हैं। यह मुद्दा बहस और राजनीति के केंद्र में भी रहा है।

लोकसभा चुनावों में भी यह मुद्दा आदिवासी इलाक़ों में सतह पर था। साथ ही सत्तारूढ़ जेएमएम- कांग्रेस ने बीजेपी को घेरने की कोशिशें की थीं। पांच सितंबर को झारखंड में आदिवासी बहुल गुमला जिले के सिसई ब्लॉक स्थित पंडरानी गांव में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में हेमंत सोरेन ने इसी मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'आज देश की सूची में आदिवासियों की पहचान आदिवासियों की नहीं है। इसलिए झारखंड सरकार ने आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा, लेकिन केंद्र सरकार ने ध्यान नहीं दिया। अगर सरना धर्म कोड या आदिवासियों के लिए कोई कोड मिल जाए, तो आदिवासी सुरक्षित हो जाएंगे।'

हेमंत सोरेन ने इसी सभा में विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि बीजेपी सिर्फ आदिवासियों के नाम पर राजनीति कर रही है। दूसरे राज्यों से नेताओं को बुलाकर बीजेपी राज्य का माहौल खराब करने में लगी है।

पिछले 23 जून को पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में माझी परगना महाल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी कहा था कि इस मुद्दे पर राज्य सरकार ने पहले ही अड़चनों को दूर कर दिया है, लेकिन केंद्र ने साजिश के तहत इसे लटकाए रखा है। चंपाई सोरेन हाल ही में बीजेपी में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा ने नवंबर 2020 में एक विशेष सत्र में 'सरना आदिवासी धर्म कोड' का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर केंद्र को भेजा है।

पिछले साल इसी मामले में हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा था। इसमें उन्होंने कहा- देश का आदिवासी समुदाय पिछले कई वर्षों से अपने धार्मिक अस्तित्व की रक्षा के लिए प्रकृति पूजा आदिवासी/सरना धर्मावलंबियों को शामिल करने की मांग को लेकर संघर्षरत है। पत्र में आगे सोरेन ने कहा कि 'झारखंड की आदिवासी आबादी पिछले आठ दशकों में 38 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत रह गई है और इसका संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची के तहत आदिवासी विकास नीतियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्यह सिर्फ झारखंड के ही नहीं- देश भर के आदिवासी कई सालों से अलग सरना/प्रकृति पूजा कोड की मांग कर रहे हैं।'

जनगणना में अभी तक केवल हिंदू, इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन धर्म के पास अपनी अलग संहिता या कोड है। आदिवासी मामलों के कई जानकारों तथा संगठनों के प्रतिनिधियों का दावा है कि कोई अलग संहिता न होने के बावजूद 2011 की जनगणना में लगभग 50 लाख लोगों ने सरना को अपने धर्म के रूप में दर्ज कराया। प्रकृति-उपासक सरना धर्म का पालन करते हैं। जल, जंगल और जमीन- प्रकृति के ये तीन पहलू सरना आस्था के मूल हैं। आदिवासी गांवों में जो पूजा स्थल होता है, उसे सरना स्थल कहते हैं। वहां मुख्यतः साल पेड़ की या फिर अन्य किसी पेड़ की पूजा की जाती है।

इसके साथ ही प्रकृति पूजा पर केंद्रित, सरना धर्म का मुख्य रूप से झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में आदिवासी समुदायों द्वारा पालन किया जाता है। 2011 के जनगणना के मुताबिक़ झारखंड में जनजातीय आबादी 86.45 लाख (26.2) प्रतिशत है। एक अलग सरना कोड का समर्थन करने वालों का तर्क रहा है कि यह आदिवासियों की भावना, पहचान परंपराओं और उनके धर्म की रक्षा करने के अलावा धर्मांतरण को रोकने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

आदिवासी मुंडा दिशुम पड़हा समिति खूंटी के अध्यक्ष महादेव मुंडा कहते हैं, 'पूर्वज और प्रकृति ही हमारे देवता हैं और जीवन के पालनहार भी। सरना धर्म कोड की मांग आदिवासियों के अस्तित्व से जुड़ा मसला है। 1951 से पहले जनगणना में आदिवासियों की पहचान होती थी, लेकिन उसके बाद क्यों हटाया गया। हेमंत सोरेन जायज मांग उठाते रहे हैं। लेकिन केंद्र की सरकार इस पर अपना रुख स्पष्ट नहीं करती।'

'शून्यकाल में आदिवासी' के लेखक अश्विनी कुमार पंकज कहते हैं कि 1871 से 1951 तक की जनगणना में आदिवासी धर्म का एक अलग कॉलम था और पूछते हैं कि जब संविधान सभी धर्मों और भाषाओं के संरक्षण और सम्मान की बात करता है तो इसे क्यों हटा दिया गया।

पूर्वी सिंहभूम के देस पोरेनिक (पारंपरिक माझी परगना स्वशासन व्यवस्था के पदाधिकारी) दुर्गा चरण माझी कहते हैं, हमारे लिए यह राजनीतिक नहीं, पारंपरिक रीति-रिवाज, संस्कृति और पहचान से जुड़ा मुद्दा है। हम 20 साल से आवाज उठा रहे हैं। हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया था, लेकिन केंद्र सरकार अब तक इस पर सहमत नहीं है और न ही इसने कोई मंशा उजागर की है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रजत कुमार गुप्ता कहते हैं, 'लोकसभा चुनावों में भी आदिवासी इलाक़ों में यह मुद्दा सतह पर था। जेएमएम- कांग्रेस के कई बड़े नेता बीजेपी को घेर रहे थे। लोकसभा चुनावों में राज्य में आदिवासियों की सभी पांच सीटों पर जीत के बाद जेएमएम- कांग्रेस विधानसभा चुनावों में इस मुद्दे पर बीजेपी और केंद्र सरकार को कॉर्नर करेगी, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन जेएमएम और कांग्रेस के सांसद केंद्रीय स्तर पर भी इस मुद्दे पर कितनी आवाज मुखर करते हैं, यह भी परखा जाना है।'

दूसरी तरफ भाजपा के नेता लगातार इन बातों पर जोर देते रहे हैं कि पार्टी के लिए आदिवासियों का हित सर्वोपरि है, जबकि जेएमएम- कांग्रेस आदिवासियों का भला नहीं कर सकते। लोकसभा चुनावों में भी सत्तारूढ़ दलों ने कई मुद्दे पर आदिवासियों को गुमराह किया था। झारखंड में नवंबर- दिसंबर में चुनाव संभावित है। 2019 में सत्ता पर काबिज होने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा- कांग्रेस (कंबाइन) बीजेपी के लिए चुनौती बनकर उभरा है। 81 सदस्यीय विधानसभा में आदिवासियों के लिए रिजर्व 28 सीटें हैं। ये सभी सीटें संथाल परगना, कोल्हान और दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल में हैं। इनके अलावा कम से कम 12 दूसरी सीटों पर भी आदिवासियों का वोट एक अहम फैक्टर रहा है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हार्ट अटैक आने से पहले अलर्ट कर देगा एआई

दिल्ली एम्स की रिसर्च में सामने आए चौंकाने वाले नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक (एआई) ने मेडिकल जांच और इलाज को आसान के साथ-साथ बेहतर बनाया है। सोचिए अगर एआई की मदद से सिस्टोलिक बीपी (ब्लड प्रेशर) , हार्ट रेट, शरीर का तापमान, सांस दर जैसी चार सामान्य जांच दिल का दौरा यानी समय रहते हार्ट अटैक आने से पहले ही पता लगा ले तो कितना बेहतर होगा। एम्स दिल्ली के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर एस. रामकृष्णन ने दुनियाभर में एआई के चौंकाने वाले नतीजे और इसके देश में संभावित इस्तेमाल पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया है। प्रोफेसर ने अपने लेख में बताया है कि कोरिया के एक अस्पताल के डॉक्टरों ने एक ऐसा एआई मॉडल बनाया है। यह मॉडल अस्पताल

में भर्ती मरीजों को चार सामान्य जांच के आधार पर हार्ट अटैक (दिल की धड़कन रुकना) से आधा घंटे पहले ही इसके बारे में अलर्ट कर देता है। अध्ययन में पता चला कि 74 फीसदी मामलों में आधे घंटे पहले ही हार्ट अटैक आने के खतरे के बारे में बताया है। यह एआई मॉडल अन्य मामलों में 14 घंटे पहले ही इसके खतरे के बारे में बताने में सक्षम है। दरअसल, हार्ट अटैक उस स्थिति को कहते हैं जब दिल की धड़कन रुक जाती है। जल्द ही सही इलाज न मिलने पर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। डॉक्टर रामकृष्णन ने बताया कि देश में इस तकनीक का बखूबी इस्तेमाल हो सकता है। बच्चों की दिल की सर्जरी के बाद तीन से छह फीसदी मामलों में उन्हें कार्डियक अरेस्ट आता है। इस वजह से बहुत बच्चों की जान चली जाती है। कई अध्ययनों में यह बात पता चली है कि अगर कार्डिक अरेस्ट के बारे में पहले से ही आगाह कर देने वाला यही मॉडल यहां इस्तेमाल होता है तो इससे लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह दौरा तब होता है, जब खून का प्रवाह बाधित होता है।

वामपंथी नेता सीताराम येचुरी की हालत नाजुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वामपंथी दल सीपीएम के नेता सीताराम येचुरी की हालत गंभीर है। उनका इलाज फिलहाल एम्स में चल रहा है और उन्हें आईसीयू में कृत्रिम श्वसन प्रणाली पर रखा

गया है। उन्हें सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चिकित्सकों की एक टीम येचुरी के स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रही है और येचुरी की हालत इस समय गंभीर है। येचुरी को निमोनिया जैसे सीने के संक्रमण के उपचार के लिए एम्स में भर्ती कराया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की वॉर्निंग के बाद भी नहीं माने डॉक्टर

कोलकाता में खोला मोर्चा,ममता सरकार को दिया अल्टीमेटम

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को हिदायत देते हुए मंगलवार को शाम 5 बजे तक ड्यूटी पर लौटने की बात कही थी। वहीं अब पश्चिम बंगाल के डॉक्टर कोलकाता में स्वास्थ्य मंत्रालय तक मार्च निकालने पहुंच गए हैं।

आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के विरोध में डॉक्टरों ने प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय तक मार्च करेंगे। जूनियर डॉक्टरों की तरफ से जारी कर सरकार के सामने अपनी मागें रखी हैं। डॉक्टरों की मांग है कि उनके लिए अलग रेस्टरूम और वॉशरूम की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा सिक्योरिटी पैनल, सीसीटीवी, फीमेल सिक्योरिटी पैनल, और ऑपरेशन थिएटर और वॉर्ड के बाहर पर्याप्त सुरक्षा का इंतजाम होना चाहिए। पत्र में कहा गया है, हम बताना चाहते हैं कि पुलिस की उपस्थिति और अलग-अलग कमरे करने भर से सुरक्षा नहीं हो पाएगी। चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिए कई अन्य काम किए जाने की भी जरूरत है।

पहली बार थल, वायु और नौसेना एक साथ

- **तीनों सेनाओं के उप-प्रमुखों ने साथ में भरी उड़ान, दुनिया ने देखी तेजस की ताकत**

जोधपुर (एजेंसी)। पहली बार भारत की तीनों सेनाओं के उप-प्रमुखों ने साथ में उड़ान भरी। जोधपुर में आयोजित हवाई अभ्यास के दौरान तीनों सेनाओं के वाइस चीफ ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस को उड़ाया। पूरी दुनिया ने यह दुर्लभ नजारा देखा। अधिकारियों ने बताया कि वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह ने मुख्य लड़ाकू विमान उड़ाया, जबकि थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने दो सीट वाले विमान में उड़ान भरी। 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) द्वारा निर्मित तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशनों के लिए एक ताकतवर विमान है, जबकि इसकी मदद किसी स्थान का सैनिक सर्वेक्षण और जहाज-रोधी अभियान को भी संचालित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद में महत्वपूर्ण निर्णय

अब पीएस नहीं मंत्री होंगे निगम-मंडल के अध्यक्ष

- क्षिप्रा नदी को निर्मल एवं प्रवाहमान बनाये रखने सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के लिए
- 614 करोड़ 53 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति
- सोयाबीन की एमएसपी 4800 रुपए करने केंद्र को भेजेंगे प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा 614 करोड़ 53 लाख रुपये से सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया। निर्णय अनुसार सिलारखेड़ी जलाशय की ऊँचाई बढ़ायी जाकर जलाशय की जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि की जायेगी। परियोजना में संग्रहित जल से क्षिप्रा नदी को निर्मल प्रवाहमान बनाये रखने तथा चितावद वृहद परियोजना में जल को संग्रहित किया जाकर लगभग 65 ग्रामों की 18 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

एमपी के निगम-मंडलों में मंत्रियों को अध्यक्ष बनाया जाएगा। अभी इस पद पर प्रमुख सचिव स्तर के अफसर काम कर रहे हैं। वहीं, प्रदेश सरकार सोयाबीन का एमएसपी 4800 रुपए करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेगी। ये फैसले मंगलवार को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाए जाने पर भी चर्चा की गई है।

सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से सिंचित करने पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदापुरम जिले की डोकरीखेड़ा जलाशय के शेष कमाण्ड एरिया को पिपरिया शाखा नहर से जल उद्वहन कर सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के लिए 49 करोड़ 94 लाख रुपये, सैंच्य क्षेत्र 2940 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। पिपरिया शाखा नहर की लाईनिंग के पश्चात शेष जल के उपयोग करने के लिए परियोजना का सैंच्य क्षेत्र 2000 हेक्टेयर से बढ़ाकर कुल 12 ग्रामों की 2940 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

ग्राम जामोदी के किसानों को प्राप्त मुआवजा राशि के अंतर की राशि 30 करोड़ 52 लाख का स्पेशल पैकेज प्रदान किये जाने स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा भारतमाला परियोजना अंतर्गत तहसील पीथमपुर, जिला धार में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना अंतर्गत प्रभावित ग्राम जामोदी की भूमि की कलेक्टर गाईडलाईन कम होने के कारण ग्राम जामोदी के किसानों को प्राप्त मुआवजा राशि के अंतर की राशि का स्पेशल पैकेज प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार ग्राम जामोदी के समस्त 85 भू-धारक के लिए अन्य ग्रामों की भूमि की तुलना में भूमि की कलेक्टर गाईडलाईन कम होने के कारण अंतर की राशि 24 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से 63.581 हेक्टेयर भूमि दोगुना मुआवजा प्रदान किये जाने के लिए राशि रुपये 30 करोड़ 52 लाख का स्पेशल पैकेज प्रदान किया जायेगा।

अच्छी खबर

बंद पड़े 41 स्कूलों में फिर से गूंजने लगी है छोटे बच्चों की किलकारी

- बस्तर में 20 साल बाद बच्चों से 'लाल आतंक' वाला डर खत्म
- नक्सली हिंसा की वजह से बंद स्कूलों में 532 बच्चों का दाखिला

रायपुर (एजेंसी)। गोली और बम की आवाज से दहल उठने वाले बस्तर के इलाके में अ से आम और क से कबूर की आवाज सुनाई देने लगी है। ये आवाज बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आ रही है। 20 सालों बाद जब यह आवाज सुनाई देने लगी है तो इलाके में बदलाव की बयार बह रही है। नक्सली हिंसा की वजह से दो दशक पहले बंद हुए 41 स्कूल फिर से खुल गए हैं, जिससे सैकड़ों बच्चों को पढ़ाई का मौका मिला है। यह खुशी की बात है कि बीजापुर जिले में, जो

माओवादी हिंसा से सबसे ज़्यादा प्रभावित था, 34 स्कूल फिर से खुल गए हैं। सुकमा के कोंटा क्षेत्र में पांच और नारायणपुर में दो स्कूल फिर से शुरू हुए हैं। ज्यादातर स्कूल 2005-2006 में माओवादी हिंसा के कारण बंद कर दिए गए थे।

बस्तर डिवीजन के एक शिक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में पहले ही 532 छात्रों ने दाखिला लिया है, जिनमें से आधी लड़कियां हैं। वहीं, सबसे जरूरी बात यह है कि बच्चे वापस आ रहे हैं। इन क्षेत्रों के माता-पिता अपने बच्चों को दूर-दराज के इलाकों में बोर्डिंग स्कूलों में भेजने को मजबूर थे। लेकिन अब, उनके बच्चे अपने गांवों में ही शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

सुप्रभात

यही दोस्त है, यही यार है
यही धुरी है, यही धार है,
इस जीवन का यही
सार है
मिलने-जुलने बतियाने से
हम सबने तौबा कर ली है
साथ मिला है जब से इसका,
दुनिया मुट्ठी में कर ली है
यही गुरु है, यही ज्ञान है,
यह है तो फिर
कठिन राह में नहीं शूल है, नहीं
खार है
अलग-अलग अपने में खोये
मां, बेटे, बाबू जी, अब्बा
घर बैठे लंदन, पेरिस की सैर कराता छोटा
डब्बा
दिलकश क्या है, बतरस क्या है, दीवानों
को घुमा- घुमा कर सब दिखलाता,
आर-पार है
फिल्म देखने को मन चाहे
या कोई दिलचस्प कहानी
गुपचुप आंख बचाकर सबसे आंखों की हो
भूख मिटानी
सौदा चाहो सौदा कर लो, कोई
नया मुखौटा धर लो, बिकना चाहो तो
बजार है
नहीं असंभव कोई सपना
चाहे जितना अकथ, अगम हो
क्लिक भर की दूरी पर सब कुछ,
चाहे जो पाने का मन हो
नाच नचनिये, बाज बजनिये,
राग-रंग का सुख अपार है,
मेले-ठेले सुंदरियों
के पात-पात हैं, डार-डार हैं
दर्द यही है, दवा यही है
मर्ज यही है, दुआ यही है
धड़कन में है, कण- कण में है,
प्राण यही है,
हवा यही है
बिन इसके जिंदगी भार है
बिन इसके दिखता हर मानुष जैस बरसों से
बीमार है
अगर हाथ में नहीं मुबाइल,
जीवन में सब कुछ असार है,
अपना घर जैसे
कंधार है।

- सुभाष राय

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 11 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

काशी-मथुरा विवाद वक्फ बिल पर भी चर्चा

● रिटायर्ड जजों के साथ वीएचपी ने की बैठक

कानून मंत्री भी हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में 30 रिटायर्ड जजों के साथ एक मीटिंग की। रविवार को वीएचपी के 'विधि प्रकोष्ठ' (कानूनी प्रकोष्ठ) द्वारा आयोजित एक बैठक में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के लगभग 30 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने भाग लिया। मीटिंग में उन्होंने वाराणसी और मथुरा मंदिरों पर कानूनी विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक और अन्य मुद्दों के बीच धार्मिक रूपांतरण पर चर्चा की गयी। इस बैठक में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी

मौजूद थे। विहिप अध्यक्ष आलोक कुमार ने बातचीत के दौरान कहा, हमने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को आमंत्रित किया था। समाज के सामने मौजूद मुद्दों- जैसे वक्फ (संशोधन) विधेयक, मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में सौंपना, धर्मांतरण पर चर्चा की गई। इसका उद्देश्य न्यायाधीशों और विहिप के बीच विचारों का मुक्त आदान-प्रदान था ताकि दोनों एक-दूसरे के बारे में समझ विकसित कर सकें। विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि यह विचारों के आदान-प्रदान का मंच है। उन्होंने कहा, राष्ट्रवाद और हिंदुत्व पर चर्चा हुई। हिंदुओं को प्रभावित करने वाले कानूनों, मंदिरों की मुक्ति, धर्मांतरण, गायों की हत्या और वक्फ बोर्ड पर चर्चा की गई।

आईआईटी गुवाहाटी के हॉस्टल में एक और स्टूडेंट की मौत

इस साल का चौथा मामला

● स्टूडेंट्स ने कहा-एकेडमिक स्ट्रेस से हो रहे सुसाइड

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी आईआईटी गुवाहाटी के हॉस्टल में 9 सितंबर की शाम एक स्टूडेंट मृत पाया गया। उत्तर प्रदेश का छात्र कम्प्यूटर साइंस 3 ईयर का स्टूडेंट था। मौत की वजह अभी पता नहीं चली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच

शुरू कर दी है। हॉस्टल में स्टूडेंट की मौत का इस साल का ये चौथा मामला है। एक महीने पहले ही, 9 अगस्त को आईआईटी की एक फीमेल स्टूडेंट ने अपने हॉस्टल रूम में फंदा लगाकर जान दे दी थी। 23 साल की स्टूडेंट भी यूपी से ही थी। देर शाम स्टूडेंट का शव मिलने के बाद हजारों स्टूडेंट्स ने एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग के बाहर जमा होकर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स का कहना है कि छात्र ने एकेडमिक स्ट्रेस के चलते जान दी है। 75 फीसदी अटेंडेंस पूरी नहीं होने के चलते एग्जाम से रोका था।

पृथ्वी के करीब आ रहा प्रलय का देवता

इसरो ने बताया उल्कापिंड से धरती को कितना खतरा, एपोफिस पर बनाए हुए है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। धरती के करीब एक विशाल उल्कापिंड आ रहा है। इस उल्कापिंड का नाम एपोफिस है, जिसकी निगरानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कर रहा है। इस उल्कापिंड के पृथ्वी के बहुत करीब आने की संभावना है। इस एस्टेरॉयड का नाम मिस्र के विनाश के देवता के नाम पर रखा गया है। पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा उल्कापिंड 13 अप्रैल 2029 को सबसे करीब पहुंचेगा। इसरो के पोर्टफोलियो में ग्रहीय रक्षा नाम का नया डोमेन जोड़ा गया है। इसका काम पृथ्वी को अंतरिक्ष से आने वाली खतरनाक वस्तुओं से बचाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इसरो के अध्यक्ष डॉ एक सोमनाथ ने कहा, एक बड़ा एस्टेरॉयड हमारी मानवता के लिए खतरनाक हो सकता है। इसरो ऐसे खतरे के प्रति सचेत है। हमारा नेटवर्क फॉर स्पेस ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग एंड एनालिसिस एपोफिस की बहुत बारीकी से निगरानी कर रहा है। क्योंकि हमारे पास रहने के लिए एक ही पृथ्वी है। ऐसे खतरों से

बचने के लिए हम सभी देशों से सहयोग करेंगे। डॉ. सोमनाथ का कहना है कि इसरो निश्चित तौर पर 2029 में अपने सबसे करीब आने वाले एस्टेरॉयड का अध्ययन करेगा। एपोफिस को पहली बार 2004 में खोजा गया था। इसकी पृथ्वी से करीबी को काफी बारीकी से ट्रैक किया गया है। 2029 में यह पृथ्वी के सबसे करीब आएगा और फिर 2036 में करीब आएगा। इस कारण पृथ्वी पर इसके प्रभाव को लेकर चिंताएं हैं। कुछ स्टडी से पता चलता है कि 2029 में यह पृथ्वी के करीब से निकल कर चला जाएगा। इसकी टक्कर की संभावना नहीं है। उल्कापिंड कितना करीब आएगा उसका अंदाजा आप इसी से लगा लीजिए कि पृथ्वी से इससे ज्यादा दूर भारत की जियोस्टेशनरी सैटेलाइट्स हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी से 32000 किमी ऊपर इस आकार का कोई एस्टेरॉयड कभी भी हमारे ग्रह के इतने करीब नहीं आया है। इसके आकार की बात करें तो यह भारत के सबसे बड़े एयर क्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य से भी बड़ा है। इसका अनुमानित व्यास 340 से 450 मीटर है। 140 मीटर के व्यास से ऊपर का कोई भी उल्कापिंड पृथ्वी के करीब से गुजरता है तो उसे खतरनाक माना जाता है। इसरो के हेड डॉ. एके एनिल कुमार ने कहा कि बड़ा उल्कापिंड तबाही ला सकता है। इसरो का आनुमान है कि 300 मीटर से बड़ा उल्कापिंड एक 'महाद्वीप में तबाही' ला सकता है। सबसे खराब स्थिति में अगर 10 किलोमीटर से ज्यादा बड़ा उल्कापिंड धरती से टकराता है तो यह पूरे ग्रह को खत्म कर सकता है।

मणिपुर में राजभवन जा रहे छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प

प्रदर्शनकारियों ने रैफ पर लोहे के छर्रे दागे, 3 जिलों में कर्फ्यू

राज्य में 6 दिन इंटरनेट बैन, डीजीपी को हटाने की उठी मांग

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी छात्रों का हिंसक प्रदर्शन जारी है। राजभवन की ओर मार्च कर रहे स्टूडेंट्स की सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। छात्रों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया और गुलेल से छर्रे मारे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे गए। 9 सितंबर को भी स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की थी, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट्स दागी थीं। 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। 9 सितंबर की रात मैतेई समुदाय की महिलाओं ने ड्रोन हमलों के विरोध में मशाल जुलूस निकाला था। राजभवन और मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया था। प्रशासन ने इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट में कर्फ्यू लगा दिया है। राज्य में 15 सितंबर की शाम 3 बजे तक इंटरनेट बैन कर दिया गया है। छात्रों का नेतृत्व कर रहे एम. सनाथोई चानू ने बताया- हमने डीजीपी, राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग की है।

मैतेई बहुल कोत्रुक, मोइरांग में सन्नाटा

20 गांव निशाने पर थे इंफाल से 20 किमी दूर कोत्रुक गांव में कुछ परिवारों को छोड़ दें तो 500 लोग घर छोड़ चुके हैं। जो बचे हैं, वो कई रात से सोए नहीं, क्योंकि हर वक्त ड्रोन हमले का खतरा है। यहीं 1 सितंबर को ड्रोन बम हमले हुए थे। विष्णुपुर जिले के मैतेई हिस्से में आने वाले मोइरांग में रॉकेट हमला हुआ था। यह 80 फीसदी गांव खाली है। कोत्रुक के रहने वाले एन. मैक्रॉन सिंह ने बताया, ज्यादातर लोग रिश्तेदारों के घर चले गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 1 सितंबर को उग्रवादी 20 गांवों पर बम गिराने वाले थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने फायरिंग करके रोक दिया। सेना मोइरांग से कांगपोक्पी तक सर्च ऑपरेशन चल रही है। इसमें कई जगह हथियार जब्त किए गए हैं। इसमें हाई एंड असॉल्ट राइफल शामिल हैं।

कांग्रेस ने संसद की 6 स्टैंडिंग कमेटियों की मांगी अध्यक्षता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी का अभी तक बंटवारा नहीं हुआ है। कुल 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री कमेटी (लोकसभा-राज्यसभा) हैं। इन कमेटी में सांसदों को उनकी पार्टी को मिली

सीटों के आधार पर शामिल किया जाता है। कांग्रेस ने इस बार 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांग की है। सरकार 4 देने को राजी है। इसमें डिफेंस और फाइनेंस कमेटी शामिल है। सरकार उन्हें विदेश मामलों की समिति की अध्यक्षता दे सकती है। इसके अलावा केंद्र सरकार डीएमके को एक कमेटी की अध्यक्षता दे सकती है।

पीएसआई-इंडिया बनी देश की पहली 'हैपिएस्ट प्लेस टू वर्क' संस्था

लखनऊ। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) को देश की पहली हैपिएस्ट प्लेस टू वर्क (काम करने के लिए सबसे सुखद स्थान) वाली प्रमाणित स्वयंसेवी संस्था बनने का गौरव हासिल हुआ है। हैपीनेस रिसर्च एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड ने संस्था को यह प्रमाणपत्र प्रदान किया है। कर्मचारियों से बातचीत, फीडबैक और संतुष्टि की तकनीक के आधार पर यह उपलब्धि जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के लिए हासिल की गयी है। यह प्रमाणपत्र कर्मचारी कल्याण और सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह जानकारी पीएसआई-इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने दी।

एमएमआरडीए रिजन में एक महीने में 40 इलेक्ट्रिक बसें

मुंबई / भोपाल। ओलेक्ट्रा ने 40 बसों का पूरा बेड़ा वसई विरार नगर निगम के परिवहन विभाग को सौंप दिया है। 24 जनवरी 2014 को, ओलेक्ट्रा ने 40 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए नगर निगम के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रोटोटाइप बस को 23 अगस्त को वीवीसीएमसी द्वारा अंतिम मंजूरी दी गई थी। उसके बाद, ओलेक्ट्रा ने बसों के वितरण एक महीने मे पूरा कर दिया है। इन बसों में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, एयर सस्पेंशन, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, डिस्क ब्रेक और बेहतरीन गतिशीलता जैसी खूबियां हैं। सिर्फ

90 मिनट के फास्ट चार्जिंग सिस्टम से बस 200 किमी की दूरी तय कर सकती है। 31 यात्री और ड्राइवर की बैठने की क्षमता वाली ये बसें शहरी परिवहन की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के.वी. प्रदीप ने कहा कि प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इन बसों के आने से वसई विरार शहर को देखते हुए वर्तमान में प्रति वर्ष 93 लाख लीटर डीजल की बचत होगी। ये बसें 25,000 टन कार्बन उत्सर्जन कम करेंगी, जो 1.5 लाख पेड़ लगाने के बराबर है।

हरियाणा चुनाव के लिए आ गई बीजेपी की दूसरी लिस्ट

● 21 उम्मीदवारों का ऐलान, एक उम्मीदवार बदला, 2 मुस्लिम भी कैंडीडेट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में बीजेपी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 21 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। इस लिस्ट में भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली के अलावा 2 मंत्रियों समेत 5 विधायकों की टिकट काटी है। एक सीट से उम्मीदवार बदल दिया है। पिछला चुनाव हारे 2 पूर्व मंत्रियों को फिर से टिकट दिया गया है। 2 मुस्लिम चेहरों को टिकट दी है। भाजपा ने पहली लिस्ट में 67 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। भाजपा अब तक 90 में से 87 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। अब महेंद्रगढ़, सिरसा और फरीदाबाद से उम्मीदवार की घोषणा बाकी है। भाजपा ने दूसरी लिस्ट में 2 महिलाओं को टिकट दी है। इसमें सोनीपत की राई सीट से प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली की जगह कृष्णा गहलावत और गुरुग्राम की पटौदी (रिजर्व) सीट से बिमला चौधरी को टिकट दी है। भाजपा ने रेवाड़ी की बावल सीट से मंत्री बनवारी लाल की टिकट काट दी है। उनकी जगह स्वास्थ्य निदेशक के पद से इस्तीफा देने वाले कृष्ण कुमार को टिकट दी गई है।

अमित शाह की तरह तेजस्वी ने भी किया 'दरवाजा बंद'

नीतिश को लेकर दिया बड़ा बयान, कहा-अब नहीं होंगे एक साथ

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दरवाजा बंद का बड़ी भ्रामक तस्वीर उभर कर आने का इतिहास रहा है। दरवाजे बंद की शब्दावली ने धुर विरोधी के दरवाजे तक खोल दिए। इस बार फिर दरवाजा बंद का उपयोग तेजस्वी यादव ने क्या किया राजनीति में एक बार फिर उलट फेर की संभावनाओं को बल दे गया। सूचना आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद उठे बवंडर को सीएम नीतिश कुमार ने खुद ही खारिज किया। लेकिन एक बार तेजस्वी यादव ने दरवाजा बंद की बात कह कर फिर इस बात को हवा दे दी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह कह कर राजनीतिक जगत में खलबली मचा दी कि नीतिश कुमार का तीन बार कल्याण कर दिया अब उनके लिए सभी दरवाजे बंद हैं।

लेकिन दरवाजा क्या खिड़की झरोखा सब खुल गया

2024 लोकसभा का जब काउंटडाउन शुरू हुआ और चुनावी बाजी बिछाने का अंतिम समय आया तो जदयू भाजपा के बीच के सभी दरवाजे खुल गए। पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के सारे गीले शिकवे दूर होते दिखे। बात यहीं तक नहीं ठहरी। भाजपा की तुलना में कम विधायक की संख्या रखने के बावजूद भाजपा ने 16 लोकसभा सीट नीतिश कुमार के नाम की। वहीं जब नीतिश कुमार जब महागठबंधन में थे तो कहा जाता है कि नीतिश कुमार की नाराजगी की वजह यह थी कि राजद सुप्रीमो लालू यादव ने विधायकों की संख्या बल पर टिकट बांटने का फॉर्मूला तय किया। इस लिहाजन नीतिश के हिस्से में 8 से 10 सीट मिलना तय हुआ।

रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे भीषण हमला

● मॉस्को समेत 10 शहरों पर एक साथ अटैक, 3 एयरपोर्ट बंद, 30 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले ढाई साल से चल रहे रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन ने बीती रात मॉस्को पर भीषणतम हमला किया है। यूक्रेन ने 140 से अधिक ड्रोन जागकर रात भर रूस की राजधानी मॉस्को सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया है। रूसी अधिकारियों ने मंगलवार को यूक्रेनी हमले की पुष्टि की है। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को के पास रामेंस्कोए शहर में ड्रोन ने दो बहु-मंजिला आवासीय इमारतों को निशाना बनाया जिससे उनमें आग लग गई। उन्होंने बताया इस हमले में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए।

वो 4 साल से कमा रहे, हम अब तक बेरोजगार

● अब हमारे समुदाय के मंत्री मदद करें, बोले 69,000 प्रदर्शनकारी ● गहराता जा रहा है उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षक भर्ती का मामला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षक भर्ती का मामला गहराता जा रहा है। हाई कोर्ट की लखनऊ डबल बेंच के आदेश के बाद आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली थी। डबल बेंच ने यूपी सरकार से तीन महीने में नई मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश पिछले महीने दिया था। वहीं डबल बेंच के आदेश से बड़ी संख्या में चयनित शिक्षकों को नौकरी जाने का डर सताने लगा था। अब चयनित शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में दोनों पक्षों को सुनवाई करते हुए अगली डेट 23 सितंबर दे दी है। अब अगली सुनवाई में यूपी सरकार, चयनित शिक्षक और आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अपना-अपना पक्ष लिखित में सुप्रीम कोर्ट को देंगे। इस बीच आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अपने समुदाय के मंत्रियों से कानूनी लड़ाई में मदद मांगी है। उनका कहना है कि अब उनके पास इस लड़ाई को खींचने की क्षमता नहीं है।

हमारे समुदाय के मंत्री हमारी कानूनी मदद करें

कृष्ण चंद्र ने कहा कि हम लोग गरीब हैं। तिनका-तिनका जोड़कर कोर्ट में किसी तरह से वकील खड़ा करते हैं। दूसरे पक्ष के लोग पिछले चार साल से पैसा कमा रहे हैं जिसके चलते कोर्ट में 50-50 लाख रुपये खर्च करके महंगे और नामी वकील खड़ा कर देते हैं। सोमवार को हुई सुनवाई में मेरिट पर कोई बहस नहीं हुई थी, जबकि हम लोगों ने अपना पक्ष रखा था। हम लोगों की मांग है कि एससी में मेरिट पर बहस हो। साथ ही राज्य सरकार रिजर्वेशन और रिलेक्सेशन के अंतर को अपने रिटेन सबमिशन में स्पष्ट करें। हम जानना चाहते हैं कि सरकार किस तरफ खड़ी है, क्योंकि डबल बेंच में सुनवाई के दौरान सरकार रिटेन में आरक्षित वर्ग के साथ नहीं खड़ी थी। सरकार के मंत्री सिर्फ कहते हैं कि हम आपके साथ हैं लेकिन कोर्ट में सरकार हमारे पक्ष में नहीं खड़ी होती है। कोर्ट में सरकार हमारे खिलाफ लिखकर देती है। कृष्ण चंद्र ने कहा कि यूपी सरकार में शामिल हमारे वर्ग से आने वाले मंत्रियों से कहना चाहता हूं कि अगर वो हमारे पक्ष में सच में खड़े हैं तो सुप्रीम कोर्ट में किसी नामी सीनियर वकील को हमारे तरफ से खड़ा कराने में आर्थिक समेत हर तरीके से मदद करें।

मंडला में नर्मदा में फंसे 4 युवकों का रेस्क्यू

भोपाल में कोलार-कलियासोत डैम के गेट खुले; सीहोर में भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सितंबर का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। अगले 2 दिन पूरे प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में देर रात से हो रही बारिश के बाद मंगलवार सुबह कलियासोत डैम का एक गेट और कोलार डैम के दो गेट खोल दिए गए। सीहोर में तेज बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया।

मंडला में भारी बारिश से नर्मदा नदी का जल स्तर भी काफी बढ़ गया है। मंगलवार सुबह अचानक पानी बढ़ने से 4 युवक रपटा घाट के टापू (कुंभ स्थल) में फंस गए। सूचना मिलने पर पहुंची एसडीईआरएफ की टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में पांढुर्णा और मंडला में आकाशीय बिजली चमकने के साथ अति भारी बारिश होने की संभावना जताई है। छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर के अमरकंटक में भारी बारिश की संभावना है। भोपाल, विदिशा में मध्यम बारिश जारी रह सकती है।

इन जिलों में भी गिरेगा पानी- रायसेन जिले के सांची और भीमबेटका, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नरसिंहपुर, बैतूल, सागर, दमोह, जबलपुर, शहडोल, कटनी, उमरिया, छतरपुर के खजुराहो, पन्ना, खरगोन के महेश्वर, धार के मांडू, सतना के चित्रकूट, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, निवाड़ी के ओरछा, टीकमगढ़, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, देवास, इंदौर में हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा। रतलाम, खंडवा के ओंकारेश्वर, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, बड़वानी के बावनगजा, अलीराजपुर, झाबुआ, शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर में भी बारिश होगी।

कलियासोत डैम का 1, कोलार के 2 गेट, भदभदा का 1 गेट खुला

कैचमेंट एरिया में बारिश होने की वजह से भोपाल के कलियासोत डैम का एक गेट मंगलवार सुबह खोल दिया गया। वहीं, कोलार डैम के 2 गेट 1 भदभदा का गेट खुला था ।डैम प्रभारी हर्षा जैनवाल ने बताया, रात में पानी बढ़ने के बाद कोलार डैम के गेट खोल दिए गए। यदि कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश होती है तो गेट खुले रखे जाएंगे। कोलार में कुल 8 गेट हैं।इधर, भोपाल के बड़ा तालाब में भी पानी बढ़ रहा है। ऐसे में भदभदा डैम के गेट भी खोले जा सकते हैं। मंगलवार सुबह से भोपाल में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। कोलार, कटारा समेत कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक बारिश होने का अनुमान जताया है।

जनपरिषद ने किया अजय श्रीवास्तव नीलू को सम्मानित

भोपाल (नप्र)। जन परिषद की कोर कमेटी में, जन परिषद के महासचिव, वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं समाजसेवी श्री अजय श्रीवास्तव नीलू को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी एवं अरुण खरे जी का जन्मोत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम में रामजी श्रीवास्तव, पत्रकार रघुवीर तिवारी, अरविंद श्रीवास्तव, दुर्गेश रैकवार, मोहन अग्रवाल, नितिन श्रीवास्तव, अरुण खरे, अरुण निगम, डॉ बृजेश श्रीवास्तव एवं संदीप गोलू, प्रमुख रूप से उपस्थित थे ।

भोपाल के राजा का छप्पन भोग महोत्सव आज

राधाअष्टमी पर पीपल चौक में महा रासलीला एवं श्रृंगार दर्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्रथम श्रीगणेश 'भोपाल के राजा' का छप्पन भोग महोत्सव 11 सितंबर (बुधवार) को आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर सर्राफा बाजार स्थित पीपल चौक में रात 8 बजे से राधाअष्टमी पर महारासलीला का भव्य आयोजन, श्रृंगार दर्शन एवं आरती संध्या का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को प्रतिमा का दिव्य श्रृंगार फूलों से किया गया था।

श्री डोल ग्यारस समारोह समिति के सदस्य ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी गणपति अपने पूरे परिवार के साथ चांदी के सिंहासन में विराजमान हैं। उनके साथ देवी रिद्धि-सिद्धि और उनके दोनों पुत्र शुभ - लाभ भी मौजूद हैं। यहां प्रतिदिन सुबह और शाम आरती की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

350 किलो लड्डू का लगेगा भोग

समिति ने बताया कि पंडाल में 12 सितंबर को फल महोत्सव, 13 को हवन, महाआरती एवं अन्नकूट का आयोजन होगा। जिसमें भगवान को 350 किलो लड्डू का भोग लगाया जाएगा। 14 सितंबर को चल समारोह व नगर भ्रमण का आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले 77 वर्षों से लगातार गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 1947 से हर साल यहां गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाती है। इसीलिए इन्हें 'भोपाल के राजा' के नाम से जाना जाता है। राजधानी में इन दिनों गणेशोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। राजधानी के चौक चौराहों पर विराजित भगवान गणेश के पंडाल में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

लालबाग के राजा के दर्शन करने उमड़ी भीड़

ओल्ड सुभाष नगर गोविंदपुरा में विराजे 10 फीट ऊंचे गजानन

भोपाल (नप्र)। नव युवक गणेश उत्सव समिति ओल्ड सुभाष नगर गोविंदपुरा भोपाल ने इस बार 10 फीट ऊंचे लाल बाग के राजा के स्वरुप को विराजित किया है। जहां प्रतिदिन सुबह और शाम आरती की जाती है। इसके बाद महिला मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति होती है।

समिति पिछले 25 वर्षों से गणेशोत्सव का आयोजन करती आ रही है। जहां हर वर्ष अलग-अलग थीम पर गणेश प्रतिमा विराजित की गई हैं। रोज हजारों की संख्या में लोग मूर्ति के दर्शन करने आते है, समिति अध्यक्ष मोहन यादव ने बताया कि 10 दिवसीय इस महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन होंगे।

उल्लेखनीय है कि गणेशोत्सव के तीसरे दिन देर शाम झमाझम बारिश हुई। कई पंडालों में पानी टपकने लगा तो कुछ के बाहर सड़क पर पानी का जमाव हो गया। इसलिए यहां शाम की पूजा-आरती रात साढ़े आठ बजे के बाद ही शुरू हो सकी। लोग देर से झांकियां देखने निकले, लेकिन उनके उत्साह में कमी नहीं थी। रात 12 बजे तक लोगों की भीड़ रही।

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित प्रो.नीलाभ तिवारी का स्वागत

यह केवल मेरा नहीं अपितु पूरे विश्वविद्यालय का पुरस्कार है : प्रोफेसर

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित प्रो. आचार्य नीलाभ तिवारी के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में पहुंचने पर सभी छात्र - छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने स्वागत किया। इस मौके पर ढोल धमाकों के साथ पुष्प वर्षा की गई। उल्लेखनीय है संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल के प्रोफेसर नीलाभ तिवारी को 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) के मौके पर दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर तिवारी ने अपने अनुभव सभी से साझा किए गए जिसमें उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह बहुत गौरव का पल है कि मेरे विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार मिला। यह केवल मेरा नहीं अपितु पूरे विश्वविद्यालय का पुरस्कार है, उन्होंने कहा कि जब प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी हमसे मिलने आए तो उन्होंने सभी से एक बात कही कि विद्यार्थी जब अध्ययन करने आता है तो वह बहुत कुछ पहले से लेकर आता है। हम उसमें अपनी तरफ से अतिरिक्त क्या जोड़ सकते हैं। यह हमारा ध्येय होना चाहिए एवं मैं भी इसका पूरा प्रयास करूंगा। प्रो. सोमनाथ साहू व प्रभारी निदेशक प्रो. सुबोध शर्मा ने प्रोफेसर नीलाभ तिवारी को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में प्रो. सोमनाथ साहू ने भी अपने अनुभव साझा किए, इसके बाद परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो.सुबोध शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की इनकी बहु मुखी प्रतिभा के कारण ही यह पुरस्कार मिल पाया है।

कार्यक्रम में प्रो.अशोक कुमार कच्छवाह, डॉ. दाताराम पाठक, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल, डॉ. रजनी वीजी, डॉ. कृष्णकांत तिवारी, डॉ.वरुण सौरभ पोखरियाल, डॉ.गोकुलानंद तिवारी, डॉ.ललित मोहन पनतोला, डॉ. महिमा तिवारी, डॉ.पवन कुमार सहित छात्र चंद्रकांत, अमित, अंकुर, राहुल, पुष्कर आदि मौजूद रहे।

25 हजार दैवेभो को बंधी स्थाईकर्मी बनने की उम्मीद

शासन ने स्थाई पद की निरंतरता 2026 तक बढ़ाई

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के 25 हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को भविष्य में स्थाईकर्मी बनने की उम्मीद फिर बंधी है। राज्य शासन ने इन कर्मचारियों के अस्थाई पदों की निरंतरता वित्तीय वर्ष 2025-26 तक बढ़ा दी है। इस संबंध में वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग ने पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुए नई स्वीकृति दी है।

शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभागों, निगम, मंडल, परिषद, संघ, सहकारी संस्थान में 25 हजार से ज्यादा अस्थाई पद स्वीकृत हैं, जिन पर लंबे समय से कर्मचारी काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे बताते हैं कि सरकार ने कई वर्षों से अस्थाई पदों की निरंतरता के आदेश जारी नहीं करे थे, जिस कारण कर्मचारी का सेवाकाल अस्थाई सेवा काल के रूप में माना जा रहा था अब नए आदेश जारी होने से अस्थाई कर्मचारी की सेवा भी निरंतर सेवा के रूप में मानी जाएगी।

पांडे कहते हैं कि इसका लाभ कर्मचारी की तरक्की के रूप में मिलेगा। सेवा की निरंतरता होने के कारण जब भी स्थाईकर्मी या नियमित करने की प्रक्रिया शुरू होगी, तो इन कर्मचारियों को उसका लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी और स्थाईकर्मी लंबे समय से नियमित करने की मांग कर रहे हैं।

म.प्र.के 7306 आदिवासी गांव बनेंगे मॉडल विलेज

स्कूल, आंगनवाड़ी से लेकर मोबाइल इंटरनेट कनेक्टिविटी पर हो रहा काम

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार ने मप्र इस वित्तीय वर्ष यानि 2024-25 में मप्र के 47 आदिवासी बहुल जिलों के 7307 गांवों को प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई) से मॉडल विलेज बनाना जाएगा। जनजातीय वर्ग के सामाजिक व आर्थिक हितों की रक्षा करने और इन बसाहटों के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिये भारत सरकार द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता के अंतर्गत प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई) से विकास के काम कराए जा रहे हैं।

इस योजना में मध्यप्रदेश के 47 जिलों के जनजातीय बहुल 7 हजार 307 गांव चुने गये हैं। योजना के तहत पांच सालों में इन चयनित गांवों में विभिन्न क्षेणी के विकासमूलक कार्य कराये जाएंगे।

केन्द्र ने इस साल के लिए दिए 302 करोड़- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष (2021-22 एवं 2022-23) में बड़वानी, भोपाल, बुरहानपुर, छतरपुर, दमोह, गुना, खण्डवा, नरसिंहपुर, राजगढ़, सिंगरौली, विदिशा, रीवा,

झाबुआ, धार एवं श्योपुर कुल 15 जिलों के 2 हजार 523 गांवों में 133 करोड़ 14 लाख 62 हजार रूपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कराने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं कौशल उन्नयन से जुड़े 6 हजार 50 कार्य कराये गये हैं।

अनूपपुर, मुरैना, सतना, सीधी, देवास, बैतुल, श्योपुर, सीधी, मंडला, उमरिया, नीमच, रतलाम, अलीराजपुर, मंदसौर एवं खरगोन कुल 15 जिलों के 1 हजार 675 गांवों में 4 हजार 27 विकास कार्यों के लिये 302 करोड़ 53 लाख 58 हजार रुपये की भेजी गई कार्ययोजना को वित्त वर्ष 2024-25 में केन्द्र सरकार से मंजूरी मिल गई है। अब कार्ययोजना के अनुसार यहां स्वीकृत निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं।

धार जिले के सबसे ज्यादा गांवों में चल रहे निर्माण कार्य- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में चयनित धार जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 689 गांवों में वर्तमान में 1 हजार 634 से अधिक निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से इन कामों के लिये 136 करोड़ 35 लाख 12 हजार रूपये मंजूर किये गये हैं। मंजूर की गई राशि में से 12 करोड़ 50 लाख 78 हजार रूपये की विकास राशि अबतक खर्च की जा चुकी है।

गांवों में होंगे यह काम- केन्द्र सरकार द्वारा मंजूर विकास राशि से इन 689 गांवों में आंगनवाड़ी भवनों, शासकीय उचित मूल्य की दुकानों, स्कूलों, छात्रावासों, आश्रम शालाओं में अतिरिक्त कक्षों, शौचालय, किचन शेड, भोजन कक्ष, विद्युतीकरण, पेयजल सुविधाओं का विस्तार, फर्नीचर, रंगाई-पुताई कार्य, उप स्वास्थ्य केन्द्रों/जन आरोग्य केन्द्रों में अतिरिक्त कक्षों, बाउंड्रीवाल निर्माण, सार्वजनिक शौचालय, पानी निकासी के लिये ड्रेनेज निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं।

इसी प्रकार इन गांवों में पेयजल सुविधाओं की बेहतरी के लिये पाइपलाइन विस्तार, पानी की टंकी निर्माण, जनजातीय बसाहटों में विद्युतीकरण एवं लाइन विस्तार के काम, आजीविका मिशन के तहत आजीविका भवनों व सामुदायिक भवनों का निर्माण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिये स्टॉपडेम, चेकडेम निर्माण तथा अधोसंरचनात्मक विकास के लिये गांवों और शासकीय संस्थाओं तक आंतरिक पहुंच मार्ग व पुल-पुलिया (कल्वर्ट) निर्माण कार्य भी कराये जा रहे हैं।

ये काम भी कराए जाएंगे

योजना में सड़क संपर्क (आंतरिक और अंतर गांव), दूरसंचार संपर्क (मोबाइल/इंटरनेट कनेक्टिविटी), विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उप-केंद्र, पेयजल सुविधा, जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन आदि कार्य कराये जायेंगे। प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत प्रशासनिक खर्चों सहित अनुमोदित गतिविधियों के लिए गैप फिलिंग के रूप में 20 लाख 38 हजार रुपये प्रति गांव के मान से धनराशि दी जा रही है।
पीएमएएजीवाई में चिन्हित गांवों में बुनियादी ढांचे के विकास एवं सेवाओं के लिए अनुसूचित जनजाति घटक फंड व मौजूदा संसाधनों के समन्वित उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। चयनित गांवों में ग्राम विकास योजना से मंजूर शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, आजीविका, वन-धन विकास, जल संरक्षण, कौशल विकास, संचार सुविधाओं का विकास एवं गांवों तक पहुंच मार्ग आदि कार्य कराये जायेंगे।

विंध्य क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर होगा रीवा एयरपोर्ट : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा एयरपोर्ट को मिला डीजीसीए से संचालन लाइसेंस

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र के नागरिकों के लिए हवाई यात्रा का सपना जल्द ही साकार होने जा रहा है। रीवा एयरपोर्ट को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा संचालन लाइसेंस प्रदान किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विंध्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रीवा एयरपोर्ट को आधिकारिक रूप से यात्री और मालवाहक विमानों की उड़ानों के संचालन की अनुमति प्राप्त हो गयी है।

विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति को नई दिशा मिलेगी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विंध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार करेगा, साथ ही मध्यप्रदेश के आर्थिक विस्तार और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस लाइसेंस के साथ, रीवा एयरपोर्ट से जल्द ही हवाई सेवाओं की शुरुआत होगी, जिससे स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रीवा एयरपोर्ट का संचालन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति को भी एक नई दिशा मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र और पूरे मध्यप्रदेश के नागरिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना है।

आईएएस नहीं होंगे चित्रकूट विकास प्राधिकरण के सीईओ, 16 पद मंजूर

चित्रकूट में बनेगा रामराजा वनवासी लोक, राम वनगमन पथ भी होगा तैयार

भोपाल (नप्र)। भगवान राम की तप स्थली चित्रकूट और राम वन गमन पथ के विकास के लिए बनाए गए चित्रकूट विकास प्राधिकरण का मुखिया कोई आईएएस नहीं होगा बल्कि अपर कलेक्टर स्तर के राज्य प्रशासनिक सेवा (राप्रसे) के अधिकारी को इसका सीईओ बनाया जाएगा।

प्राधिकरण में सीईओ और अन्य कर्मचारियों के स्टाफ को लेकर कुल 16 पद मंजूर किए गए हैं। वित्त विभाग ने 23 अगस्त को नगरीय विकास विभाग के प्रस्ताव पर इन पदों को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश के बाद पिछले दो माह से इस प्राधिकरण के सीईओ की जिम्मेदारी कलेक्टर सतना निभा रहे हैं।

चित्रकूट विकास प्राधिकरण के गठन को मंजूरी देने के बाद नगरीय विकास और आवास विभाग ने इस प्राधिकरण में पदस्थ किए जाने वाले स्टाफ के सेटअप को मंजूरी दे दी है।

इसके लिए विभाग ने नोटिफिकेशन भी कर दिया है जिसके अनुसार प्राधिकरण में अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) बनाया जाएगा। बताया जाता है कि अन्य विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर सीईओ ही प्राधिकरण का मुख्य प्रशासक होगा जिसका अध्यक्ष न होने पर संभागायुक्त रीवा इसके अध्यक्ष होंगे।

साथ ही विकास और अन्य प्रशासनिक मुद्दों के मामले में सीईओ कलेक्टर सतना के अधीन काम करेंगे। धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व देने वाली मोहन सरकार यहां रामवन गमन पथ का निर्माण कराने के साथ एमपी के हिस्से के चित्रकूट का चौतरफा विकास करने पर फोकस करेगी। यहां शिवराज सरकार द्वारा किए गए वनवासी राम लोक का निर्माण भी सरकार की प्राथमिकता में है।

संपादकीय

मोहन सरकार का दूरगामी फैसला

आए दिन नए जिलों और नई तहसीलों के गठन की मांग के संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार ने प्रदेश में तीन सदस्यीय प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन कर एक दूरगामी और जनहित का फैसला किया है। आयोग से अपनी रिपोर्ट 1 साल में देने के लिए कहा गया है। लेकिन इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। सरकार ने आयोग के पहले सदस्य के रूप में रिटायर्ड वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनोज श्रीवास्तव को नियुक्त किया है। मनोज राजस्व मामलों के विशेषज्ञ समझे जाते हैं। यहां दो बातें महत्वपूर्ण हैं। एक तो नए जिलों के गठन की मांग जन सुविधा के साथ साथ राजनीतिक लाभ के लिए भी होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि बनने वाला जिला सभी दृष्टि से सफल हो। अभी बीना जिला बनाने को लेकर विधायक निर्मला सप्रे के सरकार पर पूरा दबाव बनाया हुआ था। वो भाजपा में शामिल हो गई हैं, लेकिन उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी कांग्रेस से इस्तीफा भी नहीं दिया है। निर्मला की इस मुहिम को पंक्चर करने के लिए भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने खुरई तहसील को भी नया जिला बनाने की मांग उठा दी है। कमलनाथ के राजनीतिक प्रभाव वाले छिंदवाड़ा जिले को तो पांढुर्ना के बाद अब एक और तीसरे जिले में बांटने की तैयारी है। इनके अलावा करीब 6 तहसीलें ऐसी हैं, जिन्हें जिला बनाने की मांग बरसों से की जा रही है। कुछ मामलों में तात्कालिक राजनीतिक लाभ के लिए नए जिले घोषित भी किए गए हैं। वैसे भी मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक विशाल प्रदेश है। ऐसे में प्रशासनिक सुगमता और लोगों तक सरकार की आसानी से पहुंच की दृष्टि से यदि जिले छोटे हों तो बेहतर है। इसके अलावा प्रदेश के कुछ औद्योगिक क्षेत्र पुरानी उद्योग नीति के चलते बड़े शहरों के करीब होते हुए भी पड़ोस के पिछड़े जिलों में स्थापित किए गए थे। इनका जीवंत संपर्क इंदौर, भोपाल व ग्वालियर जैसे शहरों से है। इन्हें बड़े जिलों से जोड़ने की मांग काफी समय से की जा रही है। इससे हटकर देखें तो असली समस्या लोगों के लिए जिला मुख्यालय की उनके गांव से दूरी है। इसकी एक न्यूनतम सीमा होनी चाहिए। आयोग गठित करने के फैसले से इन सभी मांगों पर समग्रता और व्यावहारिकता के आधार पर विचार हो सकेगा। गौरतलब है कि विगत 27 फरवरी 2024 को ही कैबिनेट ने प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग को स्वीकृति दे दी थी। मगर चुनाव आचार संहिता के चलते उस समय नियुक्ति के आदेश नहीं हुए थे। आयोग हर जिलों के दौरे करके उसका भूगोल समझेगा। वहां के लोगों की तकलीफ जानेगा। आयोग का दफ्तर भोपाल में रहेगा। आयोग ये देखेगा कि प्रदेश के किस हिस्से में जिला मुख्यालय लोगों की पहुंच से बेहद दूर है? क्या उस हिस्से को नजदीक के किसी जिले में मिलाया जा सकता है या नहीं? इसके बाद आयोग के ड्राफ्ट पर दावे आपत्तियां बुलाई जाएंगी। फिर अंतिम ड्राफ्ट तैयार होगा। आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सरकार नए जिले व तहसील के गठन को लेकर निर्णय लेगी। उल्लेखनीय है कि बीना के अलावा प्रदेश में चाचौड़ा पिपरिया, डही, गौरिहार व ओंकारेश्वर को नया जिला बनाने की मांग जोरों से उठती रही है। हाल के विधानसभा चुनावों में भी इसकी गूंज सुनाई दी थी। आयोग के गठन से फिलहाल सरकार को यह राहत जरूर मिल गई है कि नए जिले की मांग पर तभी विचार होगा, जब आयोग की रिपोर्ट आ जाएगी। दो साल बाद राज्य में पंचायत चुनाव होने हैं। तब आयोग की रिपोर्ट आ सकती है। इसका फायदा भी सरकार को ही मिलेगा।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रोचक है हरियाणा चुनाव का परिदृश्य

90 विधानसभा सीटों वाला हरियाणा प्रदेश 5 अक्टूबर को विधानसभा के आम चुनावों का सामना करने जा रहा है। गत वर्षों में हुये किसान आंदोलनों में अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला हरियाणा, किसान आंदोलनों के बाद पहली बार विधानसभा चुनावों से रूबरू होने जा रहा है। चूंकि हरियाणा विगत दस वर्षों से भाजपा शासित राज्य रहा है इसलिये यहाँ की हरियाणा सरकार पर ही यह सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी थी कि किसान आंदोलन के दौरान राज्य सरकार किसी भी तरह से दिल्ली जाने की ग़रज़ से पंजाब से आने वाले किसानों को भी हरियाणा में प्रवेश करने से रोके और साथ ही हरियाणा -दिल्ली सीमा पर इन्हें दिल्ली प्रवेश से भी रोके। ज़ाहिर है हरियाणा की तत्कालीन खट्टर सरकार ने केंद्र की उम्मीदों पर खरा उतारते हुये ऐसा ही किया। खट्टर सरकार को राज्य की पंजाब व दिल्ली की सीमाओं पर भारी पुलिस तैनाती करनी पड़ी। किसानों पर लाठी चार्ज,आंसू गैस,वाटर केनन का इस्तेमाल किया। यहाँ तक कि गोलियां भी चलानी पड़ीं। इसी गोलीबारी में कई लोग घायल हुये और एक युवा किसान की हत्या भी हो गयी। परन्तु किसानों से की गयी इस ज़ोर आज़माइश के कारण भाजपा की राज्य व केंद्र सरकार को भारी किसान असंतोष का सामना भी करना पड़ा।

किसानों की नाराज़गी पिछले दिनों हुये लोकसभा 2024 के चुनाव में ही स्पष्ट हो गयी थी। क्योंकि जिस हरियाणा में 2019 में भाजपा को राज्य की सभी दस लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी वहीं इस बार 2024 के चुनाव में उसे 5 सीटें ही मिल सकीं जबकि कांग्रेस भाजपा से 5 सीटें झटकने में कामयाब रही। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर केंद्र में भी इसी मक़सद से ले जाया गया है ताकि शायद किसानों का ग़ुस्सा कुछ कम हो सके। ग़ौरतलब है कि खट्टर के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार ने कई बार न केवल किसानों पर दमनात्मक कार्रवाई की थी बल्कि स्वयं खट्टर ने ही अपने समर्थकों को किसानों के विरुद्ध हिंसा करने के लिये भी भड़काया था। आज भी हरियाणा सरकार ने शंभु बॉर्डर पर किसानों को रोकने के लिये बैरियर बना रखे हैं जिसकी वजह से राजस्थान,कश्मीर व पंजाब की तरफ़ से दिल्ली हरियाणा व उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों को भारी परेशानी व जाम का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले दस वर्षों की सत्ता विरोधी लहर होने के साथ ही इस बार चुनावों में भाजपा के महिला सुरक्षा के दावे और उसकी हक़ीक़त भी एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। ख़ास तौर पर ऐसे वक्त में जब देश का विश्व में नाम रोशन करने वाली विश्व प्रसिद्ध पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया जैसे ओलम्पियंस कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। विनेश फोगाट को राज्य की जुलाना विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी घोषित किया गया है जबकि बजरंग पुनिया को किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें संगठन में और भी बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी गयी है। जहाँ किसान नेता, भाजपा सांसद व कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के ख़िलाफ़ उसके नारी शोषण के विरुद्ध किये जा रहे आंदोलन में इन ओलम्पियन्स के साथ खड़े थे वहीं यह ओलम्पियन्स भी किसान आंदोलन का समर्थन करते देखे गये थे। क्योंकि यह पहलवान भी दरअसल किसान घरानों से ही आते हैं और किसानों की जायज़ मांगों से बखूबी वाक़िफ़ हैं। हालाँकि इन खिलाड़ियों के कांग्रेस का दामन थामने के बाद बृज भूषण सिंह ने ज़ोर शोर से यह कहना शुरू कर दिया है कि पहलवानों द्वारा उनके विरुद्ध शोषण का आरोप लगाना कांग्रेस द्वारा दो वर्ष पूर्व लिखी गयी स्क्रिप्ट का हिस्सा थी।

राज्य में भाजपा पर कांग्रेस की ज़बरदस्त बढ़त के दो और भी कारण हैं। एक तो यह कि राहुल गाँधी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक तय की गयी भारत जोड़ो यात्रा, हरियाणा से होकर गुज़री थी। इस यात्रा ने न केवल राज्य के मतदाताओं पर अपना प्रभाव छोड़ा था बल्कि राज्य के कांग्रेस जनों में भी जोश व उत्साह का संचार किया था। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव में 5 सीटें जीतने के रूप में सामने भी आया। अब जहां कांग्रेस 5 लोकसभा सदस्यों की जीत के साथ बुलंद हौसले से चुनाव मैदान में है वहीं भाजपा जिताऊ उम्मीदवार मैदान में उतारने के चक्कर में न केवल कई दलबदलुओं को भाजपा प्रत्याशी बना रही है बल्कि परिवारवाद के विरुद्ध लंबे चौड़े प्रवचन देने के बावजूद खुद भी कई 'परिवारवादी सूरमाओं' पर दांव लगा रही है। क्योंकि भाजपा को अपने दल में योग्य व जिताऊ नेताओं की कमी महसूस हो रही है। इसी उधेड़बुन में भाजपा ने पिछले दिनों राज्य में 67 पार्टी प्रत्याशियों की जो पहली सूची जारी की उसमें रणजीत चौटाला जैसे मंत्री सहित 9 वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये गये। परिणाम स्वरूप भाजपा में पद व दल से नेताओं के इस्तीफ़े की झड़ी लग गयी। इस भगदड़ में कोई भाजपाई किसी दूसरे दल में टिकट के लिये ताकझांक कर रहा है तो कोई निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरकर अपनी भाजपा को ही उसकी 'औक़ात' बताने के मूड में है।

वैसे भी भाजपा ने जिस समय चुनाव आयोग से पहले घोषित की गयी 1 अक्टूबर की चुनाव तिथि को टालने की मांग की थी उसी समय राज्य के लोगों को यह सन्देश चला गया था कि भाजपा चुनाव से घबरा रही है। अब 5 अक्टूबर की नई चुनाव तिथि निर्धारित होने पर भी लोगों का यही कहना है कि तिथि बदलने से लोगों की धारणा व उनका मन नहीं बदलने वाला। राज्य में भाजपा की उल्टी हवा का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि स्वयं मुख्यमंत्री नायब सैनी जो पिछली विधानसभा में नारायणगढ़ क्षेत्र से विधायक चुने गए थे उन्होंने विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित होते ही अपने विधानसभा क्षेत्र नारायणगढ़ में रोड शो आयोजित किया था । इस रोड शो का ज़बरदस्त प्रचार किया गया। फ़ोन पर भी मुख्यमंत्री नायब सैनी की आवाज़ में आम लोगों को निमंत्रण भेजा गया। परन्तु इस रोड शो में अपेक्षा से कहीं कम लोग शरीक हुये। उसके बाद ही सैनी को करनाल से चुनाव लड़ाये जाने की चर्चा चली। परन्तु जब पहली सूची सामने आयी तो पता चला कि मुख्यमंत्री नायब सैनी को पार्टी लाडवा से चुनाव लड़ा रही है। गोया मुख्यमंत्री तक को अपने लिये सुरक्षित सीट तलाश करने में मुश्किल हो रही है।

हाँ कांग्रेस को जो भी नुक़सान हो सकता है वह पार्टी की भीतरी गुटबाज़ी से या फिर टिकट बंटवारे में बरती जाने वाली असावधानियों से। क्योंकि इस समय राज्य की कई विधानसभा सीटें ऐसे भी हैं जहाँ सौ सौ पार्टी नेता टिकट के लिये दावे पेश कर रहे हैं। कांग्रेस का ऊँचा ग्राफ़ देखकर अनेक दलबदलू भी कांग्रेस में ही पनाह ले रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस स्वयं अपने ही बोझ तले तो दब सकती है परन्तु उसने भाजपा को तो बैक फुट पर धकेल ही दिया है।

राजनीति

प्रदीप मिश्र

लेखक जम्मू-कश्मीर में पत्रकार रहे हैं।

लद्दाख की दिल्ली दस्तक की ललक समझना जरूरी

केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बीच दूसरे केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सियासी और सामाजिक गतिविधियों पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं है। जम्मू-कश्मीर के अवाम को अगर चुनाव के बाद राज्य का दर्जा वापस होने की उम्मीद है तो लद्दाख के लोगों में भी इसकी ललक है। पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही लद्दाख को जम्मू-कश्मीर को अलग कर केंद्र शासित प्रदेश तो बना दिया गया लेकिन विधानसभा खत्म कर दी। उनके चार सदस्य विधानसभा के लिए चुने जाते थे। यही नहीं, सरकार में एक मंत्री पद भी मिल ही जाता था। सामरिक महत्व वाले लद्दाख के लोग चार साल से बीच-बीच में आंदोलन करते रहे हैं। अब उन्होंने एक सितंबर से दिल्ली के लिए यात्रा शुरू कर दी है। यात्रा दो अक्टूबर को दिल्ली पहुंचेगी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आठ अक्टूबर को आएंगे और इससे पता चल जाएगा कि अनुच्छेद 370 खत्म करने और पूर्ण राज्य के लिए केंद्र सरकार का आश्वासन जमीनी स्तर पर कितना कारगर रहा है।

देश का मस्तक माने जाने वाले लद्दाख में फिलहाल लेह और कारगिल जिले हैं। लेह अपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) से जुड़े लोग नवंबर 2022 में अपनी मांगें मनवाने के लिए दिल्ली में धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले लद्दाख में 66 दिन धरना चला था। चुनाव परिणाम में इसका गुस्सा दिखा और निर्दलीय मोहम्मद हनीफा जीत गए। भाजपा प्रत्याशी तासी ग्यालसन तीसरे स्थान पर रहे। मैगसाय पुरस्कार विजेता शिक्षा-पर्यावरणविद सोनम वांगचुक आंदोलन के बड़े चेहरे हैं। लद्दाख से भाजपा के पूर्व सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल और थुपस्तान शेवांग भी साथ हैं। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, संविधान की छठी अनुसूची लागू करने, लेह और कारगिल को अलग-अलग लोकसभा सीट बनाने और पृथक लोकसेवा आयोग बनाकर सभी नौकरियां स्थानीय लोगों को देने की उनकी प्रमुख मांगें हैं। पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने पर विधानसभा खुद-ब-खुद मिल जाएगी, जो अपने नागरिको के हित के कानून बनाने में सक्षम होगी। मांगें सियासी और चुनावी नहीं है। संस्कृति की रक्षा के साथ जमीन और रोजगार का हक पूर्ववत (अनुच्छेद 370 समाप्त होने से पहले) रहने की भावना इससे जुड़ी है। याद रखना होगा। लेह के बौद्ध लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिलाने के लिए 30 साल तक आंदोलन कर चुके हैं।

तिब्बत, चीन और पाकिस्तान से घिरे लद्दाख के हर वर्ग के लोग शिद्दत से चाहते हैं कि पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। मांग है कि जब तक संभव नहीं हो, संविधान की छठी अनुसूची के तहत उनके हित सुरक्षित किए जाएं। जम्मू-कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने से लद्दाख के लोग खुश थे। कारण, कश्मीरी हुक्मरानों से आजादी की उनकी मांग पूरी हो गई थी। खुशी के आलम में नहीं समझ पाए कि दिल्ली ने उन्हें विधानसभा न देकर नौकरशाहों की नीतियों और नीयत पर छोड़ दिया है। लद्दाख में

विधानसभा नहीं है, इसलिए राजनीतिक दृष्टि से उसकी चिंता नहीं की जाती है। दूसरी ओर आंदोलन शुरू होने के बीच केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के मनाली और लद्दाख के कारगिल को जोड़ने वाली शिंकूला सुरंग के निर्माण की मंजूरी दी। अभी तक हिमाचल प्रदेश से अटल टनल के जरिये ही लद्दाख पहुंचा जा सकता है। श्रीनगर-लेह के बीच जोजिला पर भी सुरंग बनाई जानी है। जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनाव के बीच केंद्र ने लद्दाख में जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग को नया जिला बनाने की घोषणा की है। लेह और कारगिल के अलावा जांस्कार और नुबरा विधानसभा सीटें थीं। कारगिल के सांकू और शकर चिक्तन को भी जिला बनाने की मांग तेज हो गई है।

अपराध मुक्त लद्दाख की अर्थव्यवस्था का बुनियादी आधार पर्यटन है। चीन से सटे अरुणाचल प्रदेश को 1987 में राज्य बनाया गया था। 1972 में यह केंद्र शासित प्रदेश और इससे पहले असम का हिस्सा था। छठी अनुसूची का विषय असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन है। इसके तहत भूमि, रोजगार और संस्कृति की रक्षा प्रमुख है। स्वायत्त जिले भी बनाए जा सकते हैं। लद्दाख में सिक्किम जैसी विधानसभा गठित करने की मांग की जा रही है। 5,40,493 आबादी वाले सिक्किम में 32 सीटें हैं। इस समय लद्दाख की अनुमानित जनसंख्या 3.02 लाख है। 2019 में लद्दाख में बौद्ध अनुयायी 45.87 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 47 फीसदी थी। बौद्धों की बहुतायत लेह में है, जबकि कारगिल में शिया मुस्लिम ज्यादा हैं। कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार ने जितने भी वार्ताकार नियुक्त किए, उनका कार्यक्षेत्र मुख्यतः कश्मीर ही रहा। एनएन वोहरा को 2003 में जब केंद्रीय गृह सचिव के तौर पर 'मिशन कश्मीर' में लगाया गया तो उन्होंने जम्मू को तो इसमें शामिल कर लिया, लद्दाख को नजरअंदाज कर दिया। वोहरा 2008 में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल बनाए गए थे।

लद्दाखवासी अपनी मांगें मनवाने के लिए जिस तरह से आंदोलित हैं, उससे लगता है कि भविष्य मे कठोर फैसले ले सकते हैं। अनदेखी केंद्र की कठिनाई बढ़ा सकती है। लद्दाख के लोगों ने धर्मगुरुओं के मार्गदर्शन में कश्मीरी अलगाववादियों को ही दरकिनार नहीं किया, पाकिस्तान और चीन के मंसूबे नाकाम करने के लिए सुरक्षा बलों के कंधे से कंधे मिलाया। यही कारण है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को राज्य बहाली की जितनी बेचैनी है, लद्दाख के बाशिंदे उससे भी अधिक फिक्रमंद हैं। इस संदर्भ में पूर्व में सोनम वांगचुक ने एक उल्लेखनीय बयान दिया था। कहा था कि यहां (लद्दाख) क्या हो रहा है, क्या वही, जो चीन तिब्बत में कर रहा है। सवाल उठे कि यह अंतरराष्ट्रीय साजिश है। कहा गया कि अलग राज्य बौद्धों के लिए गुलामी का सबब बनेगा। जम्मू विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रो. हरिओम ने 'बुद्धिस्ट प्लेयिंग विद फायरः पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ लद्दाख पोस्ट अगस्त 2019' में भी केंद्र शासित प्रदेश की आवश्यकता और अनिवार्यता बताई है। पूर्ण राज्य के विरोधी क्षेत्र की धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए स्वायत्तशासी पर्वतीय परिषद के सशक्तीकरण पर जोर देते हैं। स्वायत्तशासी परिषदें लेह और कारगिल जिलों में अस्तित्व में ही नहीं, सक्रिय भी हैं।

जीवन के हर चरण में सक्रिय रहें

एजिंग माह विशेष

डॉ. दीपमलिका आतराम

मेडिसीन कंसल्टेंट

आज हम 'हेल्दी एजिंग मंथ' के बारे में चर्चा करेंगे, जो हर साल सितंबर महीने में मनाया जाता है। हेल्दी एजिंग का मतलब है उम्र बढ़ने के साथ साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना ताकि आप अपने जीवन के हर चरण में स्वस्थ और सक्रिय रह सकें।

1) शारीरिक स्वास्थ्यः

नियमित व्यायामः व्यायाम का हमारे शरीर पर सकारात्मक प्रभाव होता है। नियमित योग, हल्की एक्सरसाइज़ या पैदल चलने से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत रख सकते हैं और दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकते हैं।

संतुलित आहारः भोजन में फल, सब्जियां, अनाज, और प्रोटीन का संतुलित मात्रा में सेवन करना जरूरी है। जंक फूड और अत्यधिक शक्कर से बचें।

नींद और आरामः अच्छी नींद और आराम से शरीर को पुनः उर्जा मिलती है। कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें।

2) मानसिक स्वास्थ्यः

सकारात्मक सोचः मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध आपकी सोच और दृष्टिकोण से होता है। सकारात्मक सोचने की आदत डालें और अपने आप को नए कामों में व्यस्त रखें।

ध्यान और मेडिटेशनः ध्यान और मेडिटेशन मानसिक शांति पाने का एक अच्छा तरीका है। इससे मानसिक तनाव कम होता है और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

सामाजिक संबंधः उम्र बढ़ने के साथ अकेलापन और सामाजिक दूरी मानसिक तनाव को बढ़ा सकते हैं। इसलिए परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। उनके साथ बातचीत करें और किसी न किसी सामाजिक गतिविधि में भाग लें।

3) स्वास्थ्य परीक्षण और दवाइयां:

नियमित स्वास्थ्य जांचः उम्र के साथ नियमित रूप से डॉक्टर से चेकअप कराना आवश्यक है। ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल आदि का समय-समय पर परीक्षण कराएं।

दवाइयों का सही सेवनः अगर आप किसी बीमारी की दवाइयाँ ले रहे हैं, तो उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लें और किसी भी तरह की परेशानी हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

4) नई चीज़ें सीखें और एक्टिव रहः

नया शौकः नई चीजें सीखना जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन या बागवानी मानसिक सक्रियता को बनाए रखने में मदद करता है।

टेक्नोलॉजी का उपयोगः इंटरनेट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें। इससे आपको नई जानकारियाँ मिलेंगी और आप दुनिया से जुड़े रहेंगे।

याद रखिएः हेल्दी एजिंग मंथ का उद्देश्य है कि हम उम्र के हर पड़ाव में अपने जीवन को स्वस्थ, सक्रिय और आनंदमय बनाए रखें। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि हम शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें और नियमित रूप से अपनी सेहत का ध्यान रखें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

ब्रजेश कानूनगो

मोबाइल धारक की स्मार्ट शपथ

हम भारत के मोबाइल धारक स्मार्ट लोग सोशल मीडिया रसरंजन में आकंठ डूबे, पूरी मदहोशी में शपथ लेते हैं कि जो कुछ यहां कहेंगे देश काल और परिस्थितियों के मद्देनजर सच कहेंगे। इसके अलावा यदि थोड़ा बहुत सच न भी रहा हो तो वह आपको सच ही लगेगा। हम बिना किसी भेदभाव के अपनी बात देश दुनिया में गाजर घास की तरह फैलाने में पूरे तन मन से लगे रहेंगे। ऐसी हरियाली को विस्तारित करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

हमें पता है अब यह मोबाइल यंत्र पांच वर्ष के मुन्नू से लेकर पिचासी वर्षीय दादू मुरारी लाल तक के हाथों की रौनक है। अपने परंपरागत आराध्य को चंदन, वंदन, नमन करने के पहले तड़के ही इस मोबाइल मूर्ति के सामने नत मस्तक होकर इसे माथे से लगाता है। अस्सी वर्षीय अनुभवी वैज्ञानिक का संदेश दस वर्षीय कालू मेकेनिक के पास पल में पहुंच जाता है। उसे तुरंत लाभ मिल जाता है।

गांधी का विचार गोविंद तक और सुभाषबाबू की बात साधुराम तक पहुंचती रहती है। यह माध्यम छोटे बड़े, जाति धर्म, प्रबुद्ध मूर्ख,विचार संस्कृति और देश परदेस की सीमाओं में बंधा नही होता। पश्चिम का खुलापन पूरब के लोगों को झकझोर सकता है। रूस की नीति और चीन की रीति के राज अपनों के बीच उघाड़े जा सकते हैं। यूएस की उपराष्ट्रपति में भारत के डीएनए और ब्रिटेन के पीएम की रेस में अपने अंश की दौड़ के गौरव को समान रूप से सब तक पहुंचाने की सुगमता यहां उपलब्ध है। हर बात हर स्तर पर समान रूप से पहुंचती रहती है। हम इस पुनीत कार्य को सदैव मुश्तैदी से आगे बढ़ाते रहेंगे।

हम संकल्प लेते हैं जब तक आवश्यक न हो और ऐसा करने को न कहा जाए तब तक हमे प्राप्त संदेशों को पूरे मन,आत्मा और अंतः करण से सत्य की तरह स्वीकार करेंगे और इसे सम्पूर्ण निष्ठा से चहुँओर त्वरित रूप से अग्रेषित व विस्तारित करने को तत्पर रहेंगे। आयातित संदेशों की पुष्टि के लिए कभी भी किसी भी संदर्भ ग्रंथ को खोलकर उसकी प्राचीन और जर जर जिल्द को क्षति पहुंचाने की धृष्टता करने की कोशिश कदापि नहीं करेंगे। एक तो उनमें जो कुछ लिखा है जरूरी नहीं कि वह सही ही हो। इसमें कोई शक नहीं कि ज्यादातर सामग्री हर शासनकाल में अपनी सुविधा से बदली जाती रही है। खासतौर से इतिहास की पुस्तकें तो बेहद जर्जर और अप्रासंगिक हो चुकीं हैं। पन्ने गल चुके हैं। अन्य विषयों के संदर्भ भी काफी कालातीत हो चुके हैं। सब कुछ बदल डालने का सुविचार बहुत सोच विचार के बाद लाया गया है।

बदलाव के इस महत्वपूर्ण समय में ज्ञान के प्रसार प्रचार में हमारी भूमिका किसी देशभक्त समाजसेवी से कम नही है। सोशल मीडिया के जरिए हमने नवजागरण का बीड़ा उठाया है, जिसका मूल्यांकन भविष्य में अवश्य होगा। बहुत संभव है इस प्रक्रिया में और भी शोध कार्य हो और तमाम शिक्षण संस्थाओं पर हो रहे बेवजह के खर्च को नियंत्रित किया जा सके। वैज्ञानिक और चिकित्सा जगत में प्रयोगशालाओं और अन्वेषण की आगे आवश्यकता ही न रहे। और सबसे बड़ी बात तो यह है कि इसमें शासन,प्रशासन की बजाए जनभागीदारी की बड़ी भूमिका है। लोकतंत्र में यह बड़े काम की चीज है। हमने इस पवित्र विचार को आत्मसात किया है। संकल्प में असीम शक्ति होती है। विश्वास दिलाते हैं आने वाला समय नए समाज के निर्माण में हमारे योगदान को जरूर याद रखेगा। यह जगत पहली बार स्मार्ट जगत बनने में सफल होगा। इति।

सेहत

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक योग-ध्यान प्रशिक्षक हैं।

प्राचीन ज्ञान और वैज्ञानिक आधार वाली अद्भुत मर्म चिकित्सा

बीमा कंपनियों को जटिल और विकसित नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन की चुनौती का सामना करना पड़ता है। बार-बार नियामक परिवर्तनों को अपनाना, अनुपालन बनाए रखना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

ईश्वर ने इस सृष्टि को रचने के पीछे बहुत बड़े कारण रहे हैं। सृष्टि में विद्यमान सभी जीवित अजीवित का महत्व है। शरीर की व्याधियों से लेकर जीवन के कई पक्षों को में आने वाली समस्याओं के हल इसी सृष्टि में विद्यमान हैं। प्रकृति की प्रत्येक घटना के पीछे कोई न कोई कारण होता ही है और यदि वह समस्या के रूप में है तो उसका निराकरण भी सृष्टि में निहित है। शरीर की विभिन्न व्याधियों को लेकर बड़े प्रश्न खड़े होते हैं विषेशकर वे व्याधियॉं जो असाध्य मानी जाती रही हैं। मर्म चिकित्सा वास्तव में गुरू-शिष्य परंपरा का ही हिस्सा है और इसे गुरूकुल में ही योग्यता के अनुसार दिया जाता रहा लेकिन कालांतर में इसकी आवश्यकता ने इसकी उपयोगिता बढ़ा दी है। गुरु शिष्य परम्परा से प्राप्त ज्ञान में 'ग्रेस' या गुरु के आशीर्वाद का महत्व चिकित्सा से भी ज्यादा होता है। ऐसा कहते है कि सारा विज्ञान ऊर्जा और भावनाओं, संकल्पों का ही खेल है। ऐसे में किसी सदुरू से प्राप्त ज्ञान का महत्व अपने आप में ही अलग ही महत्व है। मर्म चिकित्सा भी प्राचीन भारत में इसी परम्परा का हिस्सा रही है।

ईश्वर स्त्री सत्तात्मक है अथवा पुरुष सत्तात्मक यह कहना सम्भव नहीं है परन्तु ईश्वर हम सभी से माता-पिता के समान प्रेम करता है। ईश्वर ने वह सभी वस्तुए हमें प्रदान की हैं जो कि हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं। ईश्वर ने हमें असीमित क्षमताएं प्रदान की हैं जिससे हम अनेक भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों को प्राप्त कर सकते हैं। स्व-रोग निवारण क्षमता इन्हीं शक्तियों में से एक है जिसके द्वारा प्रत्येक मनुष्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रह सकता है। समस्त चिकित्सा पद्धतियां मनुष्य द्वारा विकसित की गई हैं परन्तु मर्म चिकित्सा प्रकृति/ईश्वर प्रदत्त चिकित्सा पद्धति है। अत- इसके परिणामों की तुलना अन्य चिकित्सा पद्धतियों से नहीं की जा सकती है। अन्य किसी भी पद्धति से असाध्य अनेक रोगों को मर्म चिकित्सा द्वारा आसानी से उपचारित किया जा सकता हैं।

आयुर्वेद इसका प्रमाण है कि रोगों को प्रकृति के अनुसार निदान करना और कम से कम प्रतिप्रभावों के साथ उसका अनन्य स्वरूप प्रदान करता है। ऐसे ही मर्म चिकित्सा, आयुर्वेद का एक गैर-औषधीय उपचार है। मर्म चिकित्सा में शरीर के मर्म बिंदुओं को हल्के स्पर्श, मालिश, और दबाव से उत्प्रेरित किया जाता है। मर्म बिंदु वे स्थान होते हैं जहां दो या ज्यादा तरह के ऊतक मिलते हैं, जैसे कि मांसपेशियां, नसें, हड्डियां, या जोड़। मर्म चिकित्सा आयुर्वेद का एक महत्वपूर्ण अंग है जो की शरीर की बाधित ऊर्जा केंद्रों की सफाई कर शरीर के स्वास्थ्य को बनाये रखता है। मर्म चिकित्सा हमें उन लाभों से परिचित करवाती है जिनसे आमतौर पर हम बहुत आसान नहीं समझते हैं।

मर्म थेरेपी हमें सिखाती है कि महान स्वास्थ्य और खुशी आपके शरीर के बाहर नहीं है, बल्कि यह आपके भीतर है और इसके लिए मन, शरीर और आत्मा की उचित देखभाल की आवश्यकता है। मर्म थेरेपी में महारत हासिल करके अपने स्वास्थ्य और खुशी के महान लाभों का लाभ उठाया जा सकता है। मर्म थेरेपी दर्द से राहत का गहरा एहसास कराती है। एक विस्तृत मर्म थेरेपी सत्र शरीर के विभिन्न अंगों के दर्द पर चमत्कार कर सकता है। मर्म चिकित्सा के एक अच्छे उपचार सत्र द्वारा शरीर से सभी विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। विषहरण शरीर को काफी हद तक साफ करता है और उचित विकास की अनुमति देता है। मर्म चिकित्सा शरीर में भोजन के अवशोषण और उसके पाचन में बहुत सुधार करती है। प्राण के अप्रतिबंधित प्रवाह के साथ, शरीर अधिक कुशलता से कार्य करता है।मर्म चिकित्सा का एक उपचार सत्र शरीर के अंगों की बेहतर कार्यप्रणाली सुनिश्चित कर सकता है और चमकदार लुक और स्वस्थ त्वचा प्राप्त होती है। मर्म चिकित्सा द्वारा शरीर से सेरोटोनिन और मेलाटोनिन जैसे न्यूरो-केमिकल्स को बाहर निकाला जाता है। ऐसे न्यूरो-केमिकल्स को बाहर निकालने से मानसिक क्षमताएं बेहतर होती हैं। यह आपको गहरी और निर्बाध नींद का आनंद लेने की अनुमति देता है। मर्म चिकित्सा मालिश व्यक्ति की धारणा को बेहतर बनाती है क्योंकि यह सामान्य रूप से जीवन के प्रति जागरूकता और चेतना में सुधार करती है। यह अप्रतिबंधित रक्त प्रवाह के साथ रचनात्मकता को बढ़ाने और जीवन ऊर्जा को नवीनीकृत करने में मदद करता है। मर्म चिकित्सा हमारे शरीर के तीन दोषों को संतुलित करके शरीर के तापमान के स्तर को संतुलित करती है। नियमित रूप से मर्म चिकित्सा मालिश करने से आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होगा। शरीर की तंत्रिका, पाचन,

श्वसन और मनोवैज्ञानिक प्रणाली में भी सुधार होगा। मर्म थेरेपी आपके ऊर्जा स्तरों के साथ-साथ आपके संवेदी और मोटर अंगों को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। नतीजतन, आप अपने मन और शरीर पर पूरा नियंत्रण रख सकते हैं।

वास्तव में अपने अंदर की शक्ति को पहचानने जैसा है। शरीर की स्वचिकित्सा शक्ति (सेल्फ हीलिंग पॉवर) प्राण शक्ति को उत्प्रेरित करना ही मर्म चिकित्सा है। मर्म चिकित्सा में सबसे पहले आत्मा पर नियंत्रण आता है और सुख एवं शांति का अहसास होता है। जिसके द्वारा मन मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ने से शरीर में पुनः नियंत्रण स्थापित होने लगता है और हमारी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ने से आया हुआ रोग स्वतः ठीक होने लगता है और रोगी आरोग्य की ओर बढ़ने लगता है।

मर्म शब्द संस्कृत शब्द 'मृण मरणे' से आया है। संस्कृत वाक्यांश, 'मृयताए अस्मिन् इति मर्म' का अर्थ है 'इन बिंदुओं पर चोट लगने पर मृत्यु या स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान की संभावना'। संस्कृत में मर्म का अर्थ गुप्त या छिपा हुआ भी होता है। परिभाषा के अनुसार, मर्म बिंदु शरीर पर एक ऐसा जंक्शन होता है जहाँ कई प्रकार के ऊतक मिलते हैं, जैसे नसें, मांसपेशियाँ, हड्डियाँ, स्नायुबंधन या जोड़। शरीर और चेतना में 107 बिंदुओं या 'द्वारों' का उपयोग करते हुए, मर्म चिकित्सा आयुर्वेद में ऊर्जा उपचार का प्रतीक है। प्रत्येक बिंदु 'चक्रों' को रास्ता देता है - 'सूक्ष्म' शरीर में रीढ़ के साथ कंपन ऊर्जा केंद्र इस प्रकार अवरुद्ध ऊर्जा को मुक्त करते हैं और प्राणिक प्रवाह को उत्तेजित करते हैं जो शरीर में सभी गति का स्रोत है। मर्म बिंदुओं को सदियों पहले 'सुश्रुत संहिता' में विस्तार से दर्शाया गया था, जो एक क्लासिक आयुर्वेदिक ग्रंथ है और इसे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपा गया है। ये बिंदु शरीर के आगे और पीछे वितरित हैं, 37 सिर और गर्दन पर, 12 छाती और पेट पर, 22 भुजाओं पर, 22 निचले अंगों पर, 14 पीठ पर। आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान में, मानव शरीर को एक पवित्र पात्र माना जाता है जहाँ ऊर्जा जटिल मार्गों से होकर बहती है, जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को पोषित करती है। स्वास्थ्य के प्रति इस समग्र दृष्टिकोण के केंद्र में आयुर्वेद के मर्म बिंदुओं की अवधारणा निहित है - सूक्ष्म ऊर्जा जंक्शन जो जीवन शक्ति और कल्याण के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। सुश्रुत ऋषि द्वारा रचित सुश्रुत संहिता में मर्म चिकित्सा का वर्णन है, जो हमारे भारतवर्ष की आयुर्वेदिक प्राचीनतम सात्विक चिकित्सा है। आज के समय में अधिकांश लोग इस चिकित्सा पद्धति से अनभिज्ञ हैं, लेकिन कुछ चिकित्सक इसका प्रचार व प्रसार करने में बहुत बल दे रहे हैं। डॉक्टरों द्वारा बीते पंद्रह वर्षों में अनेक मरीजों का मर्म चिकित्सा द्वारा सफल उपचार किया जा चुका है। यह एक अद्भुत स्वचिकित्सा पद्धति है। जो भारत को प्राप्त हुई। इसी पद्धति के आधार पर दूसरे देशों (चीन, कोरिया, जापान इत्यादि) में एक्यूप्रेशर और एक्यूपंचर जैसी पद्धतियों का जन्म और विस्तार हुआ। जो आज के समय में दुनिया के अधिकांश देशों में प्रैक्टिस की जाती है। पर दुख इस बात का है कि हमारी अपनी मर्म चिकित्सा पद्धति को लोग काफी कम जानते हैं।

शरीर में 107 मर्म स्थान बताये गये हैं और 108 वां मर्म मन को कहा गया है। जिनसे माध्यम से मेडिकल के छात्रों को उपचार व सर्जरी के दौरान बचाने की सीख दी जाती है। मर्म चिकित्सा के परिणामों का सप्रमाण प्रस्तुतिकरण एवं प्रदर्शन इस पद्धति की विश्वसनीयता प्रदर्शित करने में सहायक सिद्ध होता है। मर्म चिकित्सा के परिणाम इतने सद्य, फलदायी एवं आश्चर्य चकित करने वाले होते है कि प्रथम दृष्टया इन पर विश्वास करना सम्भव ही नहीं है और यदि कोई इन्हें देखता या अनुभव करता है तो इसका चमत्कार की श्रेणी में आकलन करता है जबकि यह सद्य, कार्यकारी पद्धति पूर्णतया वैज्ञानिक है तथा प्रकृति के मूलभूत सिद्धांतों पर ही कार्य करती है।

विज्ञान के द्वारा भौतिक जगत के रहस्यों को ही समझा जा सकता है जबकि दर्शन के द्वारा भौतिक जगत के वास्तविक रहस्य के साथ-साथ उसके आध्यात्मिक पक्ष को समझने में भी सहायता मिलती है। वैदिक चिकित्सा पद्धति, विज्ञान और दर्शन के मिले-जुले स्वरूप से अधिक बढ़कर है। ईश्वर ने अपनी इच्छा की प्रतिपूर्ति के लिए इस संसार की उत्पत्ति की है तथा उसने ही अपनी अपरिमित आकांक्षा के वशीभूत मनुष्य को असीम क्षमता से सम्पन्न कर पैदा किया है। दुख एवं कष्ट रहित स्वस्थ जीवन इस क्षमता का परिणाम है।

शिकागो भाषण पर विशेष

अमित राव पवार

स्वामी विवेकानंद द्वारा विश्व को भारत का संदेश

महाभारत काल में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा,जब-जब धर्म और अधर्म के बीच अधर्म अधिक हो जाएगा,समाज का अधिकांश भाग धर्म से पृथक हो जाएगा तब-तब धर्म को संतुलित और सुरक्षित रखने के लिए मनुष्यों का जन्म होता रहेगा। इसके लिए उन्हें वीरगति,बलिदान,सन्यास, वैराग्य को ही क्यों ना चुनना पड़े और वे तब तक मृत्यु को प्राप्त नहीं होगे जब तक उनके जीवन का उद्देश्य पूर्ण ना हो जाए। जब हम प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर वर्तमान दौर देखेगे तो हमें असंख्य व्यक्ति दिखाई देते हैं। जिन्होंने धर्म-संस्कृति,भारतराष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च जीवन निछावर कर दिया। मुगलकाल समाप्ति की ओर तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में अंग्रेजों का भारत देश में प्रवेश। यह वह समय था,जब पूरा विश्व भारतीय, संस्कृति और संभ्यता से सही मायनों में अनभिज्ञ था।ऐसे में भारत देश के एक युवा संन्यासी ने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति-सभ्यता,परंपरा, हिंदूधर्म को सही तरह प्रस्तुत किया।11 सितंबर 1893 का दिन भारत के इतिहास में अविस्मरणीय दिन है। आज भी भारत के इतिहास में,किसी इतिहास की किताब में इस दिन का उल्लेख न हो तो वो अधूरी ही मानी जायेगी।इस दिन दोपहर को विश्व की सर्वप्रथम विश्व धर्म महासभा में 'अमेरिका के लगभग 4000 गणमान्य लोगों के सम्मुख भारत के युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद जी अपना भाषण देने खड़े होते हैं। तो उन 4000 हजार नागरिकों को यह ज्ञात ही नहीं होता,कि वह इतिहास के एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने जा रहे हैं।' 11 सितंबर की प्रातःधर्म सभा प्रारंभ हुई विशाल जनसमुदाय और धर्म सभा की भव्यता ने विवेकानंद को अर्चभित कर दिया। उन्होंने बाद में स्वयं लिखा था- मैं इतना घबरा गया था,कि सुबह के सत्र में बोलने का साहस ही जुटा ना पाया।

अमेरिका के शिकागो शहर में स्वामी विवेकानंद जी अनजान, अजनबी, मित्रहीन सन्यासी थे। अनेक कठिनाइयां, मुश्किलों के बीच से होते हुए स्वमी जी को इस धर्म सभा का हिस्सा बनने का मौका मिल पाया था।वे उस मंच पर उपस्थित वक्ताओं के समान न थे,इतने विशाल जनसमुदाय के समुख बोलने का स्वामी विवेकानंद का यह प्रथम अवसर था। फिर भी उन्होंने अपने प्रथम भाषण के शब्द से ही श्रोताओं का मन जीत लिया और रातों-रात में ही प्रसिद्धि हासिल कर ली ऐसी भव्य और अद्भुत सफलता शायद ही किसी को मिली हो विश्व के सभी धर्म को एक साथ एकत्र कर चर्चा करने का यह सर्वप्रथम प्रयास अमेरिका के शिकागों शहर में था। स्वामी जी दोपहर को तब बोले जब चार वक्ता अपने विचार व्यक्त कर चुके थे। यह ऐतिहासिक क्षण वह था जब विश्व को भारत का संदेश स्वामी विवेकानंद द्वारा दिया जा रहा था। 'श्रोताओं का अभिवादन उन्होंने बहनों और भाइयों कहकर किया,पूरा सभाहाल तत्काल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।श्रोताओं को इस बात ने अधिक प्रभावित नहीं किया था,कि उनकी वेशभूषा अनोखी थी,या उन्होंने कुछ

अस्वाभिक कह दिया था,बल्कि स्वामी जी का संपूर्ण व्यक्तित्व उस समय उस जनसमुदाय से 'अपनेत्व' का अनुभव कर रहा था।और उन चंद शब्दों में तो उनकी उस तीव्र अनुभूति को व्यक्त करने का एक बिंदु ही बाहर आया था। जिसके कारण श्रोतागण मुग्ध हो गए। सच्चे अर्थों में उनकी विजय उनके भाषण देने के पहले ही हो चुकी थी।जब उपस्थित लोग कुछ शांत हुए तो उन्होंने अपना संक्षिप्त भाषण आरंभ किया।

'संसार के प्राचीन महर्षियों के नाम पर मैं आपको धन्यवाद देता हूँ तथा सब धर्मो की माता स्वरूप हिंदूधर्म एवं भिन्न-भिन्न संप्रदाय के लाखों करोड़ों हिंदुओं की ओर से भी धन्यवाद प्रकट करता हूं।... मुझको ऐसे धर्मावलम्बी होने का गौरव है, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सब धर्मो को मान्यता प्रदान करने की शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मो के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते,वरन समस्त धर्मो को सच्चा मानकर ग्रहण करते हैं। मुझे एक ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है,जिसने इस पृथ्वी की समस्त पीड़ित और शरणागत जातियों तथा विभिन्न धर्मो के बहिष्कृत मतावलंबियों को आश्रय दिया है।'..

'सांप्रदायिकता,संकीर्णता और इनसे उत्पन्न भयंकर धर्म-विषयक उन्मत्तता इस सुंदर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुके हैं। इनके घोर अत्याचार से पृथ्वी भर गयी,इन्होंने अनेक बार मानव-रक्त से धरती को सींचा,सभ्यता नष्ट कर डाली तथा समस्त जातियां को हताश कर डाला। यदि यह सब न होता,तो मानव-समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता। पर अब उनका भी समय आ गया है,और मैं पूर्ण आशा करता हूँ,कि जो घण्टे आज सुबह इस सभा के सम्मान के लिए बजाए गए है,वे समस्त कट्टरताओं, तलवार या लेखनी के बल पर किए जाने वाले समस्त अत्याचारों तथा एक ही लक्ष्य की ओर होने वाले मानवों की पारस्परिक कटुताओ के लिए मृत्यु नाद सिद्ध होंगे।' भाषण पुनःएक नए अभिवादन के साथ समाप्त हुआ। पूरे दिन भर लोगों ने वक्ताओं के मुख से केवल स्वयं के धर्म के बारे में ही सुना था। अतःजब स्वामी जी बोले तो उन्होंने तुरंत पहचान लिया और अपने हृदय में इसकी अनुभूति भी की इन्हीं सार्वभौमिक शब्दों का मानो वे इंतजार कर रहे थे।यही कारण था,कि उनके शब्दों ने जनसमुदाय पर अद्भुत प्रभाव डाला उनके भाषणों का प्रभाव विद्युत की भांति था। रातों-रात उनकी ख्याति चारो ओर फैल गई तथा इसके बाद वे धर्म सभा के केंद्र बिंदु बन गए। वे केवल मंच से गुजर भी जाते तो तालियों से उनका स्वागत किया जाता,इस सत्य को जानकर व्यवस्थापक उनके भाषणों को सबसे अंत में रखा करते थे। सबसे उत्तम को सबसे अंत में अन्य वक्ताओं के ऊबाऊ लंबे भाषणों को श्रोतागण केवल इसलिए सुना करते की अंत में स्वामी विवेकानंद का संक्षिप्त भाषण सुनेंगे।

प्रथम भाषण के संदर्भ में एक वर्ष बाद एक भारतीय ने सत्य ही कहा था-स्वामी विवेकानंद के समान किसी को भी अचानक ऐसी सफलता कभी ना मिली होगी वक्ताओं की उपलब्धियां को पूरे इतिहास में ऐसी अभूतपूर्व सफलता आज तक किसी को भी नहीं मिली।

उत्सव

डॉ. भूपेंद्र कुमार

लेखक पत्रकार हैं।

गणेशोत्सवः सामाजिक उत्थान का प्रतीक

लोकमान्य तिलक तक सामाजिक जाग्रति के लिये गणेशोत्सव सबसे बड़ा माध्यम रहा है । उनके जन्म की कथा से गणनायक बनने तक प्रत्येक घटना व्यक्तित्व निर्माण, समाज सशक्तीकरण और कुटुम्ब समन्वय का अद्भुत संदेश है । गणपति जी के जन्म और उनके स्वरूप को लेकर कथा है कि गणेशजी ने भगवान शिव को द्वार पर रोका और शिवजी ने उनका सिरच्छेद कर दिया। माता पार्वती के विलाप करने के बाद एक हथिनी के बच्चे का शीश लाकर पुनर्जीवित किया । इसलिए उनका स्वरूप ऐसा है । प्रश्न है कि इस कथा का संदेश क्या है ? भगवान शिव देवाधिदेव हैं, त्रिकालदर्शी हैं। क्या वे नहीं जान सकते थे कि यह बालक कौन है? किसके आदेश से द्वार पर है और फिर भला सृष्टि में कौन सा द्वार है जो उन्हें रोक सकता है ? यदि भगवान शिव ने सिरच्छेद कर भी दिया तो वे पल भर में नया शीश सृजित कर सकते थे। लेकिन शीश के लिये ऐसे माता-पुत्र खोजे गये जो एक दूसरे की ओर पीठ किये हुये हैं । इस कथा में लोक कल्याण और लोक संचालन के अनेक संदेश हैं। सबसे पहला संदेश उन द्वारपालों के लिये है जो द्वार पर अपनी बुद्धि विवेक का प्रयोग नहीं करते । द्वारपाल को यह बुद्धि अवश्य लगानी चाहिए कि आगंतुक कौन है और उसके साथ क्या व्यवहार करना चाहिए। आगन्तुक को परखकर उसके अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। आधुनिक संदर्भ में तो यह विवेकशीलता अति आवश्यक हो गई है । दूसरा संदेश माता और पुत्र केलिये है । कथा में जिस हथिनी के बच्चे का शीश काटकर लाया गया वह अपनी माँ से विमुख होकर सो रहा था और माता की पीठ भी बच्चे की ओर थी। अर्थात दोनों एक दूसरे के विपरीत। वैदिक काल से लेकर आधुनिक विज्ञान के निष्कर्ष तक यह स्पष्ट हो चुका है कि व्यक्तित्व का निर्माण माता करती है । न केवल शरीर की पुष्टता और विकास अपितु शिक्षा और संस्कार भी । संसार में माता के साँचे में ढले बच्चे ही आसमान की ऊँचाई छूते है। भला उस बच्चे का भविष्य कैसे सुरक्षित रह सकेगा, जो माता से विपरीत दिशा में बढ़ रहा है और माता ने भी मुँह फेर लिया है । यह कथा इन दोनों प्रकार की मानसिकता को चेतावनी है । जो माताएँ पुत्र पर ध्यान न देतीं उनको भी और जो पुत्र माता का सम्मान नहीं करते या माता से विमुख हैं उनको भी ।

अंगों का विश्लेषण

गणेश जी गणनायक हैं। नायक अर्थात मुखिया, नेतृत्व करने वाला। जब भी किसी वस्तु को बहुत ध्यान से देखते हैं या एकाग्रता से देखते हैं तब हमारी आँखे सिकुड़ती हैं। यदि आँखे फैलाकर देखेंगे तो वस्तु का आकार थोड़ा धुँधला सा दीखता है । गणपति जी आँखे छोटी हैं। अर्थात नेतृत्व कर्ता को हर वस्तु हर बात, और हर घटना को एकाग्रता से समझनी चाहिए। एकदम पैनीनजर से । यह संदेश आँखों के छोटी होने का है । गणेश जी सूँढ अर्थात् नाक लंबी है । नेतृत्व कर्ता की सूंघने की शक्ति तीक्ष्ण होनी चाहिए। अपने परिवार में,समाज में या राष्ट्र में कहाँ क्या कुछ घट रहा, यह सब नेतृत्व कर्ता को दूर से ही सूंघ लेना चाहिए। गणेश जी के कान लंबे हैं। यनि नेतृत्वकर्ता का सूचना तंत्र तगड़ा हो और हर बात को सुनने क क्षमता होनी चाहिए। उनका पेट बड़ा है अर्थात जो भी अधिक से अधिक बात सुनी है उसे अपने पेट में डाल लेनी चाहिए। पचाने की क्षमता होनी चाहिए। ऐसा न हो कि इधर सुना और उधर सुनाया। एक सफल नेतृत्वकर्ता वही जो अपने प्रभाव सीमा की ह घटना हर व्यक्ति प पैनी नजर रखे। कहाँ क्या घट रहा उसे सूंघ ले, हर बात को सुने और अपने भीतर छिपा कर रखे । माथा चौड़ा यनि उसकी छवि प्रभावकारी होनी चाहिए। उनका वाहन चूहा है । चूहा छोटे से छोटे रास्ते पर चल सकता है। पत्थरों के बीच भी मार्ग बना सकता है। अर्थात् नेतृत्वकर्ता

का वह तंत्र जिसके माध्यम से वह अपना प्रशासन चला रहा है, वह इतना सक्षम होना चाहिए कि वह नये मार्ग बना सके कठिन से कठिन रास्तों को भी आसान बना सकें।

नेतृत्वकर्ता को समन्वय की सीख

गणपति जी शिव परिवार के समन्वयक हैं। शिव परिवार विविधता से भरा है। शिवजी का वाहन नंदी है। नंदी अर्थात् बैल। और देवी पार्वती का वाहन सिंह। सिंह का आहार होता है बैल। कुमार कार्तिकेय के वाहन मयूर, जिनका आहार नाग है। भगवान शिव का श्रृंगार हैं नागदेव । गणेश जी का वाहन मूषक। शिवजी सिंह चर्म पर समाधि लगाते हैं। मूषकराज का वश चले तो आसन कुतर दें। फिर भी इस परिवार में टकराहट का कोई प्रसंग किसी कथा में नहीं मिलता । शिव परिवार में यह अद्भुत समन्वय गणपति जी के कारण है । वे इससे यह संदेश मिलता है कि जो समन्वयक हैं, नेतृत्वकर्ता हैं उनमें क्षमता होनी चाहिए कि वे विषम और विपरीत स्वभाव वाले लोगों के बीच भी समन्वय कर सकें। जिससे परिवार, समाज या देश के आदर्श स्वरूप में निखार हो।

नायक या नेतृत्वकर्ता की शैली, व्यक्तित्व और व्यवहार कैसा हो यह भी गणेशजी के माध्यम से समझाया गया है। गणेशजी को लड्डुओं का भोग लगाया जाता है। लड्डू में बनाने में बहुत श्रम, साधन और समय लगता है। पहले दूध से मावा बने फिर लड्डू बनें अथवा पहले चने की दाल से बेसन बने, बेसन की बूंदी बने, उसमें शकर या गूड़ डालकर लड्डू बनाये जाते हैं। लड्डू खाने में जितने स्वादिष्ट होते हैं उन्हें बनाने में उतना ही श्रम और समय लगता है। लड्डू कितना नाजुक है कि यदि वह नीचे गिर जाये तो विखर जाता है। बेसन का एक एक कण मिलकर बूंदी बनती है फिर बूंदी को संगठित करके लड्डू। अर्थात् एक एक व्यक्ति को जोड़कर युग्म बनाना। नेतृत्व कर्ता को वही प्रिय जो समाज और समूह संगठित रहता है परस्पर जुड़कर चलने का प्रयत्न करता है। जैसे लड्डू में बूंदी या बेसन के कण कण परस्पर संगठित रहने का प्रयत्न करते हैं। लड्डू जितना पुराना होता है उतना कठोर बनता है । अर्थात् समय के साथ परिवार और समाज संगठन का स्वरूप सघन होते रहना चाहिए। जो लोग इस मन मानस के होते हैं वे सदैव संगठित रहते हैं बिल्कुल लड्डू की भाँति और संगठन भाव के प्रति ऐसे सकारात्मक व्यवहार के लोग ही नेतृत्वकर्ता को पसंद होते हैं बिल्कुल गणेश जी भाँति। चूँकि विकास और समृद्धि के लिये संगठन का यह भाव रखने वाले समूह से और इस भाव को पसंद करने वाले नेतृत्वकर्ताओं से ही संभव होता है।

अब उनकी पसंद दूब को समझें। दूब पैरों तले रहती है न केवल इंसान के बल्कि जानवरों के पैरों तले भी। फिर भी गणपति जी को दूब पसंद है। सामान्य जन के अपने नायक के पास कुछ भेंट लेकर जाने की परंपरा है। पुराने समय में भी लोग राजाओं के, ऋषियों के, आचार्यों और गुरु के पास खाली हाथ नहीं जाते थे कुछ न कुछ लेकर ही जाते थे । तब संदेश दिया गया कि आप नायक हैं और भेंट लेने के अधिकारी हैं तो आप ऐसे बनें कि सामान्य जन यदि कोई सस्ती से सस्ती वस्तु लेकर आये उसे भी ऐसे स्वीकार करो जैसे वही आपको सबसे प्रिय है। दूब से सस्ता क्या होगा। वह भी कोई लेकर आये तो उसे भी सर्व प्रिय वस्तुओं की भांति स्वीकार करो। यदि नेतृत्व कर्ता इतनी साधारण वस्तु को भी अपनी सर्वाधिक प्रिय बताता है तब इसका संदेश जन साधारण पर भी पड़ता है । वह भी दिखावट सजावट से दूर सरल जीवन शैली की ओर प्रवत्त होता है। यह दूब गणपति जी को बहुत श्रृद्धा से अर्पित की जाती है। इसका संदेश है कि वरिष्ट जनों को दी जाने वाली भेंट का मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होता। भाव महत्वपूर्ण होता है। हमारी रिश्तेदारी में किसी अवसर विशेष पर यदि कोई सामान्य वस्तु की भेंट लेकर करता है तब भी उसमें स्नेह देखना चाहिए न कि उसका मूल्य। यही संदेश है दूब का और लड्डुओं का है। इस प्रकार गणेशजी के जन्मकथा से लेकर उनके स्वरूप, शैली और भोग प्रत्येक आयाम नया संदेश देता है। गणेशोत्सव पर गणेश जी के पूजन के साथ उनके स्वरूप और शैली से संदेश लेने की आवश्यकता है।

छोटे से ग्राम की बालिका हिमांशी बिसोने ने नीट की परीक्षा में लहराया परचम

बैतूल। चिचोली तहसील के ग्राम आलमगढ़ की होनहार बेटी हिमांशी पिता श्री रविंद्र बिसोने शिक्षक ने नीट की परीक्षा में 7467 रैंक

हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है। हिमांशी अब राजधानी भोपाल के रामकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में एमबीबीएस की पढ़ाई करेगी। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटी हिमांशी भविष्य में चिकित्सक के तौर पर आमजनों और जरूरतमंदों की सेवा करना चाहती है। वह अपने क्षेत्र की प्रथम एमबीबीएस चिकित्सक होगी। उन्होंने आदिवासी अंचल की बेटियों को पर्याप्त अवसर और शिक्षित करने का संदेश दिया है। हिमांशी द्वारा नीट की परीक्षा में सफलता अर्जित किए जाने का समाचार मिलते ही परिवार के सदस्यों, स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके निवास पर पहुंचकर पिता श्री रविंद्र बिसोने एवं माता श्रीमती ज्योति बिसोने को बधाई दी और छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की।

आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

बैतूल/ भौरा। परियोजना चिचोली के अंतर्गत सेक्टर बल्हौर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में सोमवार को पोषण माह के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को पोषण आहार, स्वच्छता, और पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक लीना पवार द्वारा किया गया, जिन्होंने ग्रामीण महिलाओं को सही पोषण और

उसकी उपयोगिता पर विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ गर्भवती महिलाएं, धात्री महिलाएं, स्व सहायता समूह की सदस्य और ग्रामीण परिवार के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर पोषण प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें मक्के के बडे और टीएचआर (टेक होम राशन) से तैयार विभिन्न पोषक सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया। उपस्थित महिलाओं को पोषण आहार के महत्व को समझाने के साथ-साथ फल भी वितरित किए गए।

लीना पवार ने बताया कि सही पोषण केवल गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध सामग्री से पोषण आहार तैयार करने के तरीके समझाए और महिलाओं को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने पोषण संबंधी जानकारी प्राप्त कर अपने परिवारों के आहार में सुधार लाने की दिशा में संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी पोषण संबंधी जागरूकता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम महिला और बाल विकास विभाग की ओर से पोषण अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

डैम में नहाते समय डूबने से युवक की मौत, रेस्क्यू कर निकाला शव

बैतूल। आठनेर थाना अंतर्गत मंगलवार के पास वाले बिजासनी डैम में डूबे एक युवक का शव मिला। जानकारी के मुताबिक का आज सुबह से डैम में डूबे युवक को ढूंढने के लिए रेस्क्यू अभियान के बाद एसडीईआरएफ के दल ने शव बरामद किया है। बताया जा रहा है कि युवक अपनी बहन के घर मेहमान आया हुआ था। वह कल दोपहर में नहाने के लिए डैम की ओर गया था। युवक नहाते समय डूब गया। प्लाटून कमांडर सुनीता पंद्रे ने बताया कि डैम में युवक संजय (22) का शव करीब 20 फीट की गहराई में मिला है। सोमवार शाम से ही युवक की तलाश की जाउ रही थी, लेकिन अंधेरा होने की वजह से रात में रेस्क्यू अभियान को रोक दिया गया। सुबह से करीब 7 बजे से फिर रेस्क्यू अभियान शुरू करने के एक-दो घंटे बाद युवक का शव मिला। हालांकि यह डैम किनारों के करीब ज्यादा गहरा नहीं है। युवक का शव ज्यादा गहराई में नहीं जा पाया था, जिससे रेस्क्यू अभियान के तहत शव खोजने में ज्यादा समय नहीं लगा। उसका शव डैम से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि युवक डैम में नहाने गया था, इसी दौरान डूबने से उसकी मौत हो गई। डैम के पास गुजर रहे कुछ लोगों ने युवक को डूबते हुए देखा तो उसके बाद डायल हंड्रेड को कॉल किया।

बैतूल बस स्टैंड पर मिला यात्री का शव, मची सनसनी

बैतूल। बस स्टैंड पर अज्ञात यात्री का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। कल सुबह प्रतीक्षालय में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से लोगों में हड़कम मच गया। अज्ञात यात्री के शव की 24 घंटे बाद भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। कोतवाली पुलिस ने यात्री के शव को जिला अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है मृतक की पहचान की जा रही है। कल यानी रविवार को पुलिस को जानकारी मिली थी कि बस स्टैंड के प्रतीक्षालय में अज्ञात यात्री मृत हालत में पड़ा हुआ है। पुलिस प्रतीक्षालय पहुंची तो देखा सफेद चेक शर्ट और बैगनी रंग का पैंट पहने एक मृत व्यक्ति मिला।

भाजपा युवा मोर्चा सदस्यता अभियान की बैठक सम्पन्न, मंडल को 5 हजार नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

भाजपा का सदस्यता अभियान युवाओं को संगठन से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास : गंगा पांडे

बैतूल /भौरा। भाजयुमो द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान की बैठक सोमवार को ग्राम पंचायत परिसर स्थित अतिथि भवन में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा पांडे, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भास्कर मगरदे, जिला महामंत्री अशुंल राजपूत, जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव, मण्डल अध्यक्ष दिलीप माधव, सरपंच मीरा धुर्वे, महिला मोर्चा की अध्यक्ष किरण मर्सकोले, समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा पांडे ने अपने संबोधन में कहा भाजपा का यह सदस्यता अभियान युवाओं को संगठन के साथ जोड़कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास है। हर मंडल को पाँच हजार नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है ताकि संगठन की जड़ें और मजबूत की जा सकें। हमें हर गांव और पंचायत स्तर पर युवाओं तक पहुँचने के लिए एक व्यापक योजना पर काम करना होगा, ताकि संगठन का विस्तार हर घर तक हो सके।

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भास्कर मगरदे ने बैठक को

संबोधित करते हुए कहा यह अभियान केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने और उन्हें देश की सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का अवसर है। हम हर गांव-गांव और घर-घर जाकर युवाओं को इस अभियान का हिस्सा बनाएंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए हर कार्यकर्ता का योगदान सुनिश्चित करेंगे।

मण्डल अध्यक्ष दिलीप माधव ने कहा मंडल स्तर पर सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए हमें संगठित होकर काम करना होगा। यह सिर्फ सदस्यता जोड़ने का अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण के बड़े उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास है। हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत और निष्ठा ही इस अभियान की सफलता की कुंजी होगी। हम हर संभव प्रयास करेंगे कि संगठन की मजबूती के साथ-साथ हम सभी युवाओं को पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों से अवगत कराएं।

कार्यक्रम के अंत में जिला महामंत्री अशुंल राजपूत ने सभी उपस्थित अतिथियों, कार्यकर्ताओं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आप सभी का सहयोग और समर्पण ही इस सदस्यता अभियान की सफलता का आधार है। संगठन को और मजबूत करने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा, और हम सब मिलकर इस लक्ष्य को अवश्य हासिल करेंगे। कार्यक्रम का समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने सदस्यता अभियान की सफलता के लिए पूरी प्रतिबद्धता और जोश के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच मीरा धुर्वे,युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष दिलीप माधव, महामंत्री संजू धुर्वे,सोनू सलूजा,अखलेश राय, महेश राय, महादेव मर्सकोले, दिपेश यादव शेलेन्द्र यादव, किरण मर्सकोले,दीपेश यादव,शैलेश यादव, कौशल कुरेले सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस किसान न्याय यात्रा, समीर को पांढुर्ना, राजकुमार केलू को बैतूल की जिम्मेदारी

किसानों के मुद्दे पर हर जिले में कांग्रेस निकालेगी ट्रैक्टर यात्रा

बैतूल। कांग्रेस किसान न्याय यात्रा को लेकर नेताओं को दी गई जिम्मेदारी प्रत्येक जिले में बनाए गए एक-एक प्रभारी विधायक, पूर्व विधायक, विधानसभा प्रत्याशियों को दी गई जिम्मेदारी किसान आंदोलन का केंद्र रहे मंदसौर से शुरू होगी यात्रा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी करेंगे यात्रा की शुरुआत किसने के मुद्दे को लेकर प्रत्येक जिले में निकाली जाएगी ट्रैक्टर रैली पटवारी सांठखेड़ा में ट्रैक्टर रैली में शामिल होकर आमसभा को करेंगे संबोधित सुनील शर्मा मुरैना, बैजनाथ कुशवाहा शिवपुरी, लाखन सिंह यादव भिंड, सचिन यादव ग्वालियर, राजकुमारी रघुवंशी अशोकनगर गुड्डू राजा बुंदेला जिला दतिया, विधायक राजेंद्र भारती जिला गुना, रामचंद्र दांगी सागर, किरण अहिरवार छतरपुर, हर्ष यादव दमोह, राजभान सिंह पन्ना, रेखा चौधरी टीकमगढ़, राव यादवेंद्र सिंह निवाड़ी, सुनील सराफ रीवा,

तरवर लोधी सतना, यासिर हसन सिद्दीकी मैहर, सुखेंद्र सिंह बना सिंगरौली, नारायण पट्टा शहडोल, गुरमीत सिंह मंगू अनूपपुर, विधायक अनुभा मुंजारे उमरिया, रजनीश सिंह जबलपुर, सौरभ सिंह डिंडोरी, राजा बघेल बालाघाट, सुनील जायसवाल छिंदवाड़ा, समीर खान पांढुरना, संजय यादव मंडला, विवेक अवस्थी नरसिंहपुर, विधायक सोहन वाल्मीकि सिवनी, लक्ष्मी नारायण पंवार नर्मदा पुरम, राजकुमार केलू उपाध्याय बैतूल, कपिल फौजदार हरदा, रघु परमार और मनोज कपूर भोपाल, शैलेंद्र पटेल रायसेन, आनंद प्रताप सिंह राजगढ़, जयश्री हरि करण सीहोर, संजीव सक्सेना विदिशा, अमित शर्मा और चंदर सोंधिया उज्जैन, भेरू सिंह बापू रतलाम, चेतन यादव शाजापुर, विपिन वानखेड़े देवास, विधायक दिनेश जैन बोस मंदसौर, हर्ष विजय गहलोत नीमच, माया राजेश त्रिवेदी आगर मालवा, अवनीश भार्गव और गजेंद्र सिंह सिसोदिया इंदौर, आर के दोगने खंडवा, दीपू यादव बुरहानपुर, मंगेश सिंह धार विधायक हीरालाल अलावा झाबुआ, जय सिंह ठाकुर खरगोन, युसूफ कडप्पा अलीराजपुर, और तरुण भनोट को बड़वानी जिले के लिए किसान न्याय यात्रा का प्रभारी बनाया गया।

संविदा कर्मचारियों के अधिकारों का गला घोंट रहा जिला अस्पताल प्रशासन

बैतूल। जिला अस्पताल की बिगड़ती व्यवस्था सुधारने का नाम नही ले रही है। कलेक्टर के निर्देशों की खुली धज्जियाँ उड़ाई जा रही है। पिछले कुछ दिन पहले कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था देख अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई है। बावजूद अस्पताल की व्यवस्था नहीं सुधर रही है। अस्पताल में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के अधिकारों का गला घोंटा जा रहा है। दरअसल अधिकारियों, मेट्रन और इंचार्ज अपनी मन मुताबिक ड्यूटी करवाने के लिए संविदा कर्मचारियों पर दबाव डालते है। इससे कई संविदा कर्मचारी परेशान है। मध्य प्रदेश सरकार ने संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तरह छुट्टी सहित अन्य सुविधाएं देने के आदेश जारी किए हैं लेकिन बैतूल अस्पताल प्रबंधन द्वारा इसका पालन नहीं किया जा रहा है। संविदा कर्मचारियों को इमरजेंसी छुट्टी नहीं दी जाती उन्हें धमकाया जाता है। अस्पताल में कार्यरत कई संविदा कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल हो जाती लेकिन उन्हें छुट्टियां नहीं दी जाती है।

इनका कहना है

आपने मामला मेरे संज्ञान में लाया है ऐसा हो रहा है तो गलत बात है। इस मामले में जरूर एक्शन लिया जाएगा। मैं फिर अस्पताल जाने वाला हूं। किसको कितनी छुट्टियां दी है उसकी जांच करेंगे।

– नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी कलेक्टर बैतूल

गुम मोबाइल पाकर आवेदकों के चेहरे पर आई मुस्कान

बैतूल। जिले में 2023 व 2024 के दरमियान समस्त थानों में मोबाइल गुम के कई आवेदन प्राप्त हुए थे सभी मोबाइल सार्वजनिक स्थानों से गुम या चोरी बताया गया था। बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए निश्चिंत झरिया बैतूल एसपी ने सायबर सेल के माध्यम से गुम मोबाइलों की तफ्तीश कराई गुम मोबाइल जिला हरदा, जिला नर्मदापुरम और कुछ जिला बैतूल के लोगो से 112 मोबाइल बरामत किया है। जिसके अनुमानित कीमत 22 लाख 9 हजार 756 रुपए बताया गया। पुलिस ने सभी आवेदकों को जब्त मोबाइल कंट्रोल रूम में प्रेस वार्ता के दौरान लौटाया है पिछले वर्ष भी लगभग 100 मोबाइल आवेदकों को लौटाया गया था। मोबाइल पाकर समस्त आवेदकों ने जिला पुलिस का आभार व्यक्त किया है। पुलिस ने जनता से अपील कि की साप्ताहिक बाजार, मेलो, सार्वजनिक भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर जाए तो ऊपर के जेब में मोबाइल न रहे रखे तो ध्यानपूर्वक रखे हमेशा सावधान रखे।

जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को आवेदन के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान श्री सूर्यवंशी ने 112 आवेदनों पर सुनवाई की। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध अतिक्रमण को हटाने के दिए निर्देश- ग्राम पंचायत खेड़ीसांवलीगढ़ द्वारा बस स्टैंड पर निर्मित व्यवसायिक दुकानों के मालिकों द्वारा दुकानों को पगड़ी लेकर किराए पर दिए जाने एवं दुकान से अतिरिक्त अवैध अतिक्रमण किए जाने की शिकायत जनसुनवाई में की है। आवेदन के माध्यम से नौहेन्द्र कटारे ने बताया कि अनावेदक दिनेश गंगारे सहित अन्य ने ग्राम पंचायत के द्वारा निर्मित काम्पलेक्स में बनी दुकानों के सामने टीन शेड लगाकर अतिक्रमण किया है। इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज की गई, लेकिन आज पर्यंत तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। जबकि नायब तहसीलदार वृत्त खेड़ीसावलीढ़ ने भी सरपंच, सचिव को अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही के लिए निर्देश दिए थे। दुकान मालिकों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण से राहगीरों को आवागमन में परेशानी होती है तथा जाम की स्थिति भी निर्मित हो रही है। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए तथा आगामी टीएल बैठक में चर्चा किए जाने की बात कही।

नल-जल योजना को पूर्ण किए जाने की मांग- आमला की आवरिया ग्राम पंचायत के सरपंच संजू धुर्वे ने ग्राम में नल-जल योजना के तहत पीएचई विभाग द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किए जाने की शिकायत की है। आवेदन के माध्यम से बताया कि नल जल योजना के तहत ग्रामों में बनी सीसी रोड को तोड़कर पाईप लाईन बिछाई गई है। पीएचई विभाग ने सड़क निर्माण नहीं करवाया है। जिससे बारिश के चलते ग्राम पंचायत आवरिया, खिड़की खुर्द में सडकों पर कीचड़ हो रहा है। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने बताया कि ग्राम पंचायत आवरिया में नल जल योजना के तहत कार्य प्रगतिरत है। पाईप लाईन का विस्तार कर दिया गया है। योजना टेस्टिंग कार्य शेष है। टेस्टिंग के बाद सीसी रोड का पुनः निर्माण कराया जाएगा।

रोजगार दिए जाने की मांग- ग्राम खापा खतेड़ा निवासी दृष्टिबाधित आसाराम रहडवे ने रोजगार दिए जाने के संबंध में जनसुनवाई में आवेदन दिया। आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि हिन्दी साहित्य कला संकाय में 55 प्रतिशत, बीएड में 63 प्रतिशत के साथ स्नातक, साहित्य एवं सामाजिक विश्लेषण नामक विषय पर शोध कार्य कर पीएचडी तक अध्ययन किया है। योग्यता होने के बावजूद उन्हें रोजगार नहीं मिल पाया है। जिससे उन्हें आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को समुचित कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त, कलेक्टर, संयुक्त संचालक सहित डीपीसी की नगरीय शैक्षणिक संस्थानों का मुआयना की जिम्मेदारी नहीं ..?

बचा ही नहीं पा रहे नगरवासी शिक्षा की धरोहरें..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

अव्वल शासकीय एस एन जी स्कूल की हालत दिन वा दिन खस्ता होने लगी, एस एन जी स्कूल का शासकीय होने के बाद रख-रखाव जिस मजबूती से रखा जाना था नहीं रखा गया, करोड़ों की जमीन पर स्थापित इस स्कूल में अब पहले वाली बात नहीं यह वह शैक्षणिक संस्था नहीं जिसे जिले में अव्वल रखने में गोपाल प्रसाद पाठक और एस एस गौर अपना पसीना बहाया था, बहाते थे, खोखा बाबू के नाम से प्रसिद्ध बोस बाबू अंग्रेजी और केमिस्ट्री में बच्चों को विशेष दर्जा दिलाने जीतोड़ मेहनत करते और करवाते थे, पीके शर्मा प्राणी शास्त्र, तो पाटनकर जी गणित में विशेष महारथ रखते और बच्चों को अपने अपने विषयों की बारिकियां समझाते थे, बीके तिवारी का हिंदी और गोपाल प्रसाद खड्डर का संस्कृत में सानी नहीं था, अन्तर कर मासाब रामनारायण दुबे जी से अंग्रेजी

सीखें बच्चे आज भी अच्छे- अच्छों के छक्के छुड़ाने में पीछे नहीं, फिर केसी दुबे मासाब का खिलाड़ियों की पौध तैयार करने का जज्बा ही कुछ अलग था। नगर के बीच स्थापित इस स्कूल की मिश्रीलाल प्रयोगशाला 70 के दशक में यहां पढ़ने वाले बच्चों को तैयार करने पर इतराती थी। इस स्कूल का सभागार और उसके सामने खेल मैदान नगर की शान हुआ करते थे। देखते देखते पांच दशक के अन्तराल में ये बीते दिनों की बात हो गई और अब यह शिक्षा का केन्द्र शिक्षक शिक्षिकाओं की शरणस्थली बन कर रह गया.. पहुंच पकड़ वाले इस स्कूल में अपनी पोस्टिंग करवा कर केवल समय निकाल रहे, तनख्वाह ले रहे। पहले यहां शिक्षकों को पगार मिला करती थी, जिसका लाभ छात्र-छात्राओं को मिलता था। लेकिन अब तनख्वाह पाने वाले जिम्मेदारों को इस शैक्षणिक संस्था से लगाव नहीं, प्रशासन के लिए यह शाला भवन चुनाव कार्य निपटने का केंद्र, इसका इस्तेमाल चुनाव के दौरान करके प्रशासन गौरवान्वित होता फिर पूरा स्कूल भगवान भरोसे, इस शाला भवन में विद्या अध्ययन करने का अवसर हमें सत्तर के दशक में मिला, इसमें अध्ययन कर हम गौरवान्वित महसूस करते थे, अब दुखी हैं आज रख-रखाव नहीं हो पाने के कारण खंडहर का रुप लेने की दिशा पर बढ़ गई। कमरे के उपर छत पर उगती घास, दरवाजे खिड़कियां का टूटना, भवनों पर अंग्रेजी कवेलू के साथ टीन का इस्तेमाल मानों एस एन जी षड़यंत्र का शिकार होने को है। नगर की इस प्राचीन धरोहर को संजोकर रखने की जरूरत है। जो अक्टूबर 1929 में शुरू होकर मार्च 1930 में मात्र 1123 रुपए में बनकर तैयार हुआ था। ए वी स्कूल को पूरा करने में सेठ नन्हे लाल घासीराम जी ने 3 हजार, एस. ई.टी.वी.भजुतिलाल मालगुजार सांगाकेरा ने 2 हजार, दुलारे प्रसाद ठेकेदार ने 1173 रुपए, सेठानी पुत्रीबाई, सेठ फतेक ओरंग की विधवा ने 500 रुपए, पीटी दीनानाथ मालगुजार जमानिया ने 250 रुपए, पीटी अमृतलाल दीवान ने 250 रुपए उस दौर में दिए थे। बाकी नरबदा राहत कोष और सरकारी अनुदान सहायता से पूरी की गई, इसका निर्माण दुलारे प्रसाद ने किया था जिसकी देखरेख श्री उधोराम ने की थी। आजादी के पहले शिक्षा और शिक्षा केन्द्र का महत्व कितना हुआ करता था यह विद्यालय उसका जीता-जागता उदाहरण है जिसे हम बचा पाने में रुचि नहीं रखते। ऐसे ही नगर की एक बहुमूल्य पाठशाला बजरिया स्कूल को हमने केवल अपना रसूख कायम रखने के लिए जमींदोज करवा दिया, नगर की एक और धरोहर मेन बोर्ड स्कूल जिसे हमने आधुनिक बनाने के चक्कर में आवारागर्दी की शरण स्थली बना डाली, इस स्कूल में डॉ शंकर दयाल शर्मा सहित बड़े भैया के.एस.शर्मा जैसों ने शिक्षा का ककहरा सीखा था। सबसे मजेदार बात यह है कि संभागायुक्त, कलेक्टर, संयुक्त संचालक, डीपीसी खुद गांव गांव जाकर इन दिनों स्कूलों का निरीक्षण नहीं कर रहे। जन-संपर्क विभाग उसके कसीदे गढ़ रहा क्या इन जिम्मेदारों का नगर के सरकारी स्कूलों को देखने की इनकी जिम्मेदारी नहीं बनती..?

संक्षिप्त समाचार

डंपर की टक्कर से भैंस की मौत, केस दर्ज

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम देहात थाने के निटाया में रफ्तार से जा रहे डंपर ने एक भैंस को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। देहात थाने से मिली जानकारी के अनुसार निटाया निवासी राममोहन मलैया की भैंस को अज्ञात डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अज्ञात डंपर का पता कर रही है। दूसरी सड़क घटना में कोठी बाजार में अभिषेक यादव को बाइक क्रमांक एमपी 05 एमडब्लयू 8335 के चालक ने तेजी और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए टक्कर मार दी। इससे उसे चोटें आई हैं। पुलिस ने केस दर्ज किया।

रिटायर्ड नायब तहसीलदार के घर चोरी: ताला काटकर सोने-चांदी के जेवर ले उड़े चोर; पुलिस जांच में जुटी

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार के सूने घर में चोरी हो गई है। चोर दरवाजे में लगा ताला काटकर घर में घुसे और वारदात को अंजाम दिया। घटना रविवार की दरमियानी रात की है। अगले दिन सुबह घर का ताला टूटा मिलने पर घटना उजागर हुई। फरियादी अनिल बेलवंशी ने बताया घर बड़े भाई विजय सिंह बेलवंशी का है। जो रिटायर्ड नायब तहसीलदार है। बड़े भाई विजय बेलवंशी कुछ दिन पहले घर में ताला लगाकर हैदराबाद गए हैं। सुबह मां शांति बाई ने देखा कि विजय के मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा पड़ा है। उन्होंने छोटे बेटे अनिल को बताया। तब अनिल ने भाई व पुलिस को सूचना दी। एसडीओपी संजू चौहान तथा थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर मौके पर पहुंचे। नर्मदापुरम से पहुंची फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट्स लिए हैं। टीआई कंचनसिंह ठाकुर ने बताया कि चोरी हुई सामग्री की जानकारी विजय सिंह बेलवंशी के हैदराबाद से आने के बाद मिलेगी। मुख्य दरवाजे का ताला काटकर चोर घर में घुसे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नेशनल लोक अदालत 14 सितम्बर को प्रीलिटिगेशन सहित अन्य पर दी जाएगी छूट

विदिशा (निप्र)। नेशनल लोक अदालत 14 सितंबर को आयोजित की गई हैं। नेशनल लोक अदालत में विद्युत विभाग से संबंधित प्रकरणों में छूट के संबंध में निर्देश जारी किए गए है। प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्र वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। इसी तरह लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्र वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। छूट नियम एवं शर्तों के तहत दी जायेगी। आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष देय आंकलित सिविल दायित्व की सशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता, उपयोगकर्ता की विचाराधीन प्रकरण याले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन संयोजनों के विरुद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई विधिक संयोजन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक द्वारा विधिक संयोजन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित संयोजनों के विरुद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरीध्अनाधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जावेगी। विद्युत चोरी, अनाधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत, अदालतों में छूट प्राप्त किए उपभोक्ता/उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य विद्युत देयकों के विरुद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। शनिवार 14 सितम्बर को आयोजित होने वाली लोक अदालत में दी जा रही छूट आंकलित सिविल दायित्व राशि रू. 50,000 (पचास हजार मात्र) तक के प्रकरणों के लिये सीमित रहेगी। छूट मात्र नेशनल लोक अदालत में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी।

दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाएंगे : मुख्यमंत्री

दुग्ध संघों के संचालन का दायित्व राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को देने पर बनी सहमति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 से 10 प्रतिशत उत्पादन करते हुए देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश के अनेक ग्रामों में किसान भाइयों को पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के लिए सुविधाएं प्रदान कर प्रदेश को देश में अग्रणी बनाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज मंत्रालय में मध्यप्रदेश में डेयरी विकास योजना, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं सांची दुग्ध संघ के कार्यों के संबंध में समीक्षा की। इस अवसर पर भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी सचिव श्री अल्का उपाध्याय, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक श्री मीनेश शाह भी उपस्थित थे। बैठक में मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन एवं एकत्रीकरण तथा सांची दुग्ध संघ के विषय में कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में मध्यप्रदेश राज्य कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और उससे जुड़े दुग्ध संघों का प्रबंधन और संचालन अगले पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा किए जाने पर सहमति बनी। इसके लिए आवश्यक स्वीकृति प्राप्त कर विधि संगत कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाकर किसानों और पुशपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय बोर्ड को दायित्व देने पर सहमति बनी है। आवश्यक हुआ तो इस कार्य के उद्देश्य से सहकारिता अधिनियम में आवश्यक संशोधन की कार्यवाही भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान के पश्चात मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में

अग्रणी है। प्रदेश में प्रतिदिन साढ़े पांच करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में मध्यप्रदेश की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। जहां देश में प्रति व्यक्ति 459 ग्राम प्रतिदिन दूध की उपलब्धता है वहीं मध्यप्रदेश में यह 644 ग्राम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले पांच वर्ष में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य है। इसके लिए सहकारी आन्दोलन को मजबूत करने और किसानों एवं पशुपालकों को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य होगा। प्रदेश के करीब चालीस हजार ग्रामों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास होंगे। वर्तमान में 10 से 15 हजार ग्रामों में दुग्ध उत्पादन की स्थिति संतोषजनक है। शेष ग्रामों में विभिन्न उपायों से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय से मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रारंभ में सचिव भारत सरकार श्रीमती अल्का उपाध्याय और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की ओर से प्रजेंटेशन दिया गया।

बैठक में गोबर से रसोई ईंधन और आर्गनिक खाद प्राप्त करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। आगर -मालवा में इस क्षेत्र में पहल की गई है। वर्तमान में प्रदेश में 233 संयंत्र स्थापित कर बॉयोगैस की सुविधा दी जा रही है। कम से कम दो या तीन पशु रखने वाले किसानों और पशुपालकों को गोबर के उपयोग की शिक्षा देते हुए इस लघु संयंत्र की स्थापना में सहयोग दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को लगभग 10 हजार की राशि व्यय करनी होती है। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री लखन पटेल, विधायक बैतूल श्री हेमन्त खण्डेलवाल, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री ई. रमेश कुमार और प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास श्री गुलशन बामरा उपस्थित थे।

इंसानियत शर्मसार!

खंडवा में 8 साल की मासूम को मां ने 40 हजार में रखा गिरवी

सौदागर ने कीमत लगाई 4 लाख! मासूम की दर्दनाक कहानी

मंदसौर/खंडवा (नप्र)। जिले के जावर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की को 7 साल के भीतर दो बार बेचा गया। पीड़िता ने बताया कि जब वह 8 साल की थी, तब उसकी मां ने उसे मंदसौर के धर्मा साठिया को 40 हजार रुपये में बेच दिया था। सौदा यह हुआ था कि धर्मा अपने बेटे से उसकी शादी करेगा, लेकिन जब वह 15 साल की हुई, तो धर्मा ने उसका सौदा नीमच के एक परिवार में कर दिया। इस बार कीमत 4 लाख रुपये रखी गई थी।

लड़की ने जब सौदा होने की बात सुनी तो वह धर्मा के चंगुल से भाग निकली। बाल कल्याण समिति और पुलिस को इस मामले की जानकारी हुई है। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

नाबालिग ने बताई पूरी कहानी

पीड़िता ने बताया है कि जब मेरी उम्र 8 साल थी, तब पिता के इलाज के लिए मां ने

मुझे 40 हजार रुपए में मंदसौर के धर्मा साठिया के पास गिरवी रख दिया था। मैं बहुत रोई। समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं? मां बोली थी कि तुझे वो परिवार अपनी बहू बनाएगा। 7 साल तक वहां मेरे साथ जानवरों जैसा बर्ताव होता रहा। मुझे कबाड़ बीनने के लिए कहा जाता था। कभी भरपेट खाना तक नहीं देते थे। हर पल दो लोग नजर रखते कि कहीं मैं भाग न जाऊं। अब ये परिवार मेरा सौदा 4 लाख रुपए में कर रहा था। मैंने बातें सुन लीं और भाग आई।

लाड़ली बहना योजना से बच्चों की पढ़ाई एवं घर खर्च में मिल रही है बहनों को मदद

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत हर माह मिल रही 1250-1250 रूपये की राशि से बच्चों की पढ़ाई- लिखाई एवं परिवार का घर खर्च चलाने में मदद मिल रही है। यह कहना है बासौदा की पूर्वी रेल्वे कॉलोनी की श्रीमती ललिता लोधी का। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त कर रही है। इसी तरह श्रीमती रीना लोधी और श्रीमती वर्षा लोधी ने भी लाड़ली बहना योजना के तहत् मिली राशि से बच्चों की स्कूल फीस जमा करवाई है। वह मुख्यमंत्री जी को इसके लिए धन्यवाद देते हुए

आभार व्यक्त कर रही है। लाड़ली बहना योजना से एक ही परिवार की ननद श्रीमती वर्षा लोधी, जेठानी श्रीमती रीना लोधा और देवरानी श्रीमती ललिता लोधी को हर महीने लाड़ली बहना की राशि मिल रही है। इनका कहना है कि शासन की यह मदद हम अपने बच्चों की पढाई लिखाई के संसाधनो की पूर्ति पर खर्च कर रहे है।

विदिशा जिले की 2.10 लाख लाड़ली बहनों लाभावित महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत ने बताया, कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत अब तक जिले की दो लाख दस हजार 823 बहनों के बैंक खातों में हर माह राशि अंतरित की जाती है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना से खेती करना हुआ आसान

सीहोर (निप्र)। देश एवं प्रदेश के किसानों की चिंता करते हुए किसानों की उन्नति एवं कल्याण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव निरंतर काम कर रहे हैं। खेती के विकास और किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है जिनसे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। सीहोर के ग्राम सेमरादांगी निवासी किसान श्री बनेसिंह भी उन हितग्राही किसानों में से एक हैं जिन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत उन्हें हर साल 03 समान किश्तों में 06 हजार रुपए तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत तीन समान किश्तों में छः हजार रुपए इस प्रकार साल भर में कुल 12 हजार रू की राशि मिलती है । श्री बनेसिंह ने कहा कि हम जैसे छोटे किसानों के लिए 12 हजार रूपए बहुत बड़ी रकम होती है। अब उन्हें खेती की छोटी छोटी जरूरतों के लिए किसी से उधार रूपए नहीं लेने पड़ते । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए बनेसिंह कहते हैं कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से किसानों को बड़ी मदद मिल रही है।

नर्मदापुरम में 27 सितंबर से शुरू होगा रामलीला का मंचन : 2 अक्टूबर को राम बारात और 12 को होगा रावण दहन

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम में सेठानी घाट पर आयोजित होने वाली प्राचीन श्रीरामलीला का मंचन 27 सितम्बर से शुरू होगा। 2अक्टूबर को भगवान श्री राम की बारात निकाली जाएगी। रामलीला आयोजन को लेकर रविवार रात 8बजे श्रीरामलीला महोत्सव समिति की बैठक हुई। समिति के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे ने बताया कि समिति की वार्षिक बैठक पं. गिरिजा शंकर शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वर्ष 2023-24 के आय-व्यय का लेखा प्रस्तुत किया गया। आगामी वर्ष 2024-25 के लिए बजट निर्धारित किया गया। श्रीरामलीला महोत्सव 2024 के अंतर्गत लीला के मंचन का 27 सितंबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा। 27 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक की लीलाओं का मंचन सेठानीघाट पर होगा, 2 अक्टूबर को भगवान श्रीराम की भव्य श्रीराम बारात नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी। श्रीराम - रावण युद्ध की लीलाओं का मंचन 8 अक्टूबर से 12 अक्टूबर दशहरा विजयादशमी तक कि लीलाओं का मंचन दशहरा मैदान पर होगा। दशहरा मैदान में विजया दशमी की रात्रि 9 बजे विशाल देवी जागरण सम्पन्न होगा। उत्तर भरतमिलाप 11 और 12 अक्टूबर को श्रीराम राज्याभिषेक की लीला के मंचन से 18 दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव का समापन होगा। बैठक में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं. भवानी शंकर शर्मा, पूर्व विधायक पं. गिरिजाशंकर शर्मा, पं. गोपाल प्रसाद खड्डर, अजय सैनी, अरुण शर्मा, महेंद्र चौकसे, महेंद्र यादव, योगेश्वर तिवारी, अधिवक्ता विनोद दीवान सहित रामलीला के सदस्य शामिल रहे।

तीन दोस्तों ने मिलकर की युवक की हत्या:पत्थर से कुचला सिर, मामूली झगड़े के बाद घटना को दिया अंजाम

बैतूल(निप्र)। शाहपुर थाना क्षेत्र के बाना बेहड़ा में शनिवार को एक युवक की सिर कुचलकर की गई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जानकारी के मुताबिक मामूली विवाद पर तीन दोस्तों ने मिलकर युवक की हत्या की थी। उन्होंने हत्या से पहले मृतक को शराब भी पिलाई थी। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक की तलाश की जा रही है। शाहपुर टी आई जयपाल इवनाती के मुताबिक शनिवार सुबह बाना बेहड़ा के भूता धुर्वे ने सुबह करीब 6 बजे सूचना दी कि उसका रिश्तेदार सुरेश उईके, जो खेत जा रहा था सम्मू मरकाम के खेत के पगडंडी पर चित अवस्था में पड़ा मिला है। सुरेश के सिर और चेहरे पर चोटें लगी थीं और खून बह रहा था। उसके

पास एक पत्थर पड़ा था। सुरेश उईके की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने इस मामले में मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलवाकर जांच करवाई। मृतक के बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला की वह 6 सितंबर को राजेश नागले और उसके दो दोस्तों के साथ गांव में देखा गया था। यह बात भी सामने आई की उससे एक दिन पहले मृतक सुरेश का राजेश और उसके दोस्तों के साथ झगड़ा हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जयपाल इनवाती के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें उपनिरीक्षक संदीप परतेती, सउनि ओमप्रकाश गढ़वाल, आरक्षक नीरज, विनय प्रताप, धीरज, और शिवेन्द्र शामिल थे। टीम ने ग्राम चिखल्दा बुजुर्ग में राजेश नागले के घर पहुंचकर उसकी तलाशी ली, लेकिन वह घर पर नहीं मिला। राजेश के भाई मुकेश नागले से पूछताछ करने पर राजेश के मोबाइल और उसके दोस्त के मोबाइल के बारे में जानकारी मिली। टीम ने सतीष लविस्कर और आशीष लविस्कर को ग्राम कास्दा खुर्द में पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने दोस्त राजेश नागले के साथ मिलकर सुरेश उईके की हत्या की थी। राजेश नागले इटारसी की ओर भाग गया है, जिसकी तलाश जारी है।

मामूली झगड़े में गई जान

बताया जा रहा है की मृतक कमजोर कद काठी का युवक था। 5 तारीख को एक किराने की दुकान पर उससे पानी की कैम्पर गिर गई थी। इसी को लेकर राजेश का मृतक से झगड़ा हुआ था। जिसके बाद 6 तारीख को तीनों ने सुरेश को शराब पिलाई और फिर उसके सर पर पत्थर पटककर मार डाला।

जेवर सहित भागी थी दुल्हन : पुलिस ने एक महिला सहित तीन को पकड़ा

लिव इन का एग्रीमेंट बनाकर विदा हुई थी

बैतूल(निप्र)। बैतूल गंज पुलिस ने शादी का झांसा देकर भागी एक महिला के तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दुल्हन देवास के युवक से लिव इन में रहने का एग्रीमेंट कर विदाई के बाद एक ढाबे से जेवर सहित फरार हो गई। पुलिस ने युवक के परिजनों की शिकायत पर उसके 3 साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि दुल्हन सहित चार लोगों की तलाश की जा रही है। घटना पिछले 30 अगस्त की है। जिसकी शिकायत आज (8 सितंबर) बैतूल गंज पुलिस थाने में की गई। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर यह गिरफ्तारी की है।टी आई गंज रविकांत डहरिया के मुताबिक जिला देवास के हाट पिपलया निवासी राजेश ने शिकायत की थी कि सुरेंद्र यादव ने उनके साले धर्मेंद्र बागवन की शादी बैतूल में एक महिला से कराने के लिए उन्हें बैतूल बुलाया था। बैतूल में सुरेन्द्र यादव ने अपने साथियों राजा उर्फ चंद्रशेखर और एक अन्य महिला के साथ मिलकर उन्हें कालापाठा में रमेश सूर्यवंशी के घर ले गए। वहां पर रमेश सूर्यवंशी, राजेश यादव, एक महिला और लड़की से मुलाकात कराई। यहां लड़की का आधार कार्ड दिखाकर उनकी पुष्टि की गई, और लड़के धर्मेंद्र बागवन के साथ उसकी शादी करने की बात की गई।

डेढ़ लाख कीमत चुकाई फिर बना एग्रीमेंट

पुलिस के मुताबिक, सुरेंद्र यादव ने लड़की से शादी करवाने के एवज में 1 लाख रुपए की मांग की। जिसमें से राजेश ने 1 लाख रुपए नगद और 40 हजार 500 रुपए फोन-पे के जरिए सुरेंद्र यादव को दिए। इसके बाद वे बैतूल कोर्ट के पास गए। जहां एक वकील ने लड़की और धर्मेंद्र बागवन के बीच लिव-इन-रिलेशनशिप का एग्रीमेंट तैयार किया। एग्रीमेंट के बाद लड़की को एक सोने का मंगल-सूत्र और चांदी की पायल पहनाई गई। फिर सभी लोग टवेरा गाड़ी से हाटपिपलिया, देवास के लिए रवाना हो गए। रास्ते में दुल्हन ने खाना खाने की इच्छा जताई और शंकर ढाबा, चिरापाटला, चिचोली में रुके। यहां दुल्हन सीमा यादव ने बाथरूम जाने का बहाना बनाया। वह बाथरूम गई और इसी बीच एक लड़के के साथ स्कूटी पर भाग गई।

साइबर की मदद से मिली लोकेशन

इस घटना की जैसे ही शिकायत हुई पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों सुरेन्द्र उर्फ बंडु पिता रामकिशन यादव (32) निवासी ग्राम नांदा, भीमपुर), रमेश पिता सुकु सूर्यवंशी (63) निवासी आरडी पब्लिक स्कूल के पीछे, कालापाठा), और एक महिला (30) निवासी अर्जुन नगर, बैतूल) को गिरफ्तार कर कोर्ट के सामने पेश किया है। इस मामले के अन्य आरोपियों की तलाश के लिए टीमें रवाना की गई है।

चेतावनी के बाद सुसाइड की कोशिश, अफसरों ने पकड़ा

4 महीने से टीसी के लिए भटक रहा कारोबारी बोला, स्कूलवालों पर एफआईआर नहीं हुई तो मैं खुद न्याय करूंगा

राजगढ़ (नप्र)। स्कूल में घंटों बिठाए रखा। अपशब्द कहे। कभी गेट से ही यह कहते हुए लौटा दिया कि बाद में आना। कभी कहा कि जब तक हम फोन न करें, स्कूल मत आना। मैं नहीं झुका तो स्कूल संचालक ने कहा- पहले अप्रैल की फीस भरो, फिर बात करना। नहीं तो जहां जाना है, चले जाओ। जिससे शिकायत करनी है, कर दो।

ये शिकायत उस पिता की है, जिसकी दो बेटियों की पढ़ाई टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) नहीं मिलने की वजह से अटकी है। मामला राजगढ़ के ब्यावरा स्थित प्रोग्रेसिव हाइट्स स्कूल का है।

परेशान पिता का कहना है कि स्कूल संचालक और स्कूल की महिलाकर्मी पर केस दर्ज हो। इसी मामले को लेकर ब्यावरा में सोमवार शाम से पीपल चौराहे पर एबीवीपी के साथ धरना दे रहे था। मंगलवार सुबह 11 बजे अधिकारियों की मौजूदगी में पिता राजेंद्र कुमार जोशी ने ज्वलनशील पदार्थ डाल कर खुदकुशी करने की कोशिश की। पुलिस और अधिकारियों की सतर्कता से राजेंद्र कुमार जोशी को पकड़ लिया गया और पुलिस वहां से उठाकर ले गई।

वहीं स्कूल को अभी तक तीन नोटिस दिए जा चुके हैं। 4 सितंबर को एसडीएम ने स्कूल संचालक को नोटिस जारी करते हुए आदेश दिया कि आवेदक को तुरंत टीसी दी जाए वरना कार्रवाई की जाएगी। नोटिस के जवाब में स्कूल ने कहा- डाक से टीसी भेज दी गई है

महाकाल में लड्डू की ऑटोमेटेड मशीन लगेगी

रुपए डालते ही लड्डू का पैकेट निकलेगा, रोजाना बनते हैं 50 क्विंटल से अधिक लड्डू

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के बाद यहां मिलने वाला लड्डू प्रसादी जरूर अपने साथ ले जाते हैं। मंदिर परिसर में इसके लिए 8 काउंटर लगाए गए हैं जहां से भक्त अलग अलग पैकेट में प्रसादी खरीद सकते हैं। लेकिन अब श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जल्द ही महाकाल मंदिर में एटीएम मशीन की तरह लड्डू की मशीन लगने जा रही है। जिसमें रुपए डालने के बाद भक्तों को लड्डू प्रसादी मिल सकेगा।

एटीएम की तरह काम करेगी मशीन- महाकाल मंदिर का लड्डू प्रसादी देश भर में प्रसिद्ध है। महाशिवरात्रि, नाग पंचमी या फिर श्रावण माह में लड्डू प्रसादी की डिमांड इतनी बढ़ जाती है कि मंदिर समिति रोजाना 50 क्विंटल से अधिक लड्डू प्रसादी बनवाकर रखती है और इन्हीं दिनों में भक्तों की भीड़ अधिक होने की वजह से 8 की जगह 15 लड्डू प्रसादी के काउंटर लगाए जाते हैं।

सीएम हाउस घेरने निकले 8 हजार अतिथि शिक्षक

पुलिस ने लाठियों से पीछे धकेला,कई घायल ; नियमितिकरण समेत 5 मांगों को लेकर प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सीएम हाउस घेरने निकले 8 हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षकों को पुलिस ने बल प्रयोग कर रोक दिया। उन्हें लाठियों-डंडों से पीछे की ओर धकेला। इससे कई शिक्षक गिरकर घायल हो गए। शिक्षकों ने पुलिस पर उन्हें पीटने के आरोप लगाए।

अतिथि शिक्षक महासंघ, मध्यप्रदेश के बैनर तले प्रदेशभर से शिक्षक अंबेडकर मैदान में जुटे। वे नियमितिकरण समेत 5 मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि डिपार्टमेंटल एग्जाम कराकर उन्हें गुरुजियों की तरह नियमित किया जाए। आज हम अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए राजधानी की सड़कों पर उतरे।

विनोद नागर को मध्य प्रदेश लेखक संघ का साहित्य सेवी सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ ने वर्ष 2024 के साहित्यकार सम्मान घोषित कर दिये हैं। भोपाल के वरिष्ठ लेखक, समीक्षक और स्तंभकार विनोद नागर का चयन 'अरविन्द चतुर्वेदी स्मृति साहित्य सेवी सम्मान' के लिए किया गया है। यह सम्मान उन्हें संघ के वार्षिक साहित्यकार सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा। मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रान्ताध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी के अनुसार साहित्य की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट योगदान करने वाले साहित्यकारों को प्रति वर्ष संघ द्वारा अक्षर आदित्य सम्मान, सारस्वत सम्मान, पुष्कर सम्मान सहित कुल पच्चीस सम्मान प्रदान किये जाते हैं। इनका चयन पाँच सदस्यीय चयन समिति करती है। 'अरविन्द चतुर्वेदी स्मृति साहित्य सेवी सम्मान' के लिए चयनित विनोद नागर के छह खण्डों वाले रचना समग्र सहित आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और तीन अन्य पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित होकर आने वाली हैं। इसी वर्ष उन्हें बालकवि बैरागी शिखर सम्मान 2024 तथा साहित्य रत्न सम्मान 2024 भी मिले हैं। नागर सूचना और प्रसारण मंत्रालय की भारतीय सूचना सेवा के सेवा निवृत्त वरिष्ठ अधिकारी हैं।

माता-पिता-गुरूजनों का सम्मान और सत्य का पालन करें विद्यार्थी : राज्यपाल पटेल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को निःशुल्क मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराएगा : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विद्यार्थी जीवन में दीक्षांत शपथ का हर दिन मनन करें, सत्य का हमेशा पालन करें। अपने माता-पिता और गुरूजनों का सम्मान करें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा युवाओं को उनकी मौलिक प्रतिभा को निखारने का अवसर देकर विकसित भारत के निर्माण की महती जिम्मेदारी सौंपी है। शिक्षक इस दिशा में विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन करें। स्वयं को नवीनतम ज्ञान और तकनीक से अपडेट रखें। चुनौतियों के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करें।

राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिजिटल मार्कशीट और डिग्री प्रदान करने की व्यवस्था का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यार्थी सुश्री तनु गुलाटी को डिग्री और सुश्री अनुपमा कुजूर को पीएचडी की उपाधि डिजिटल स्वरूप में प्रदान की गई। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिजिटल मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है।

भारत की खोज वास्कोडिगामा ने नहीं चंदन नाम के व्यापारी ने की थी। वास्कोडिगामा ने खुद लिखा है कि व्यापारी चंदन का जहाज उसके जहाज के आगे चल रहा था। लेकिन हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया है। अमेरिका की खोज भी

कोलंबस ने नहीं की। बल्कि हमारे पूर्वजों ने की है, जिसके रिकॉर्ड आज भी मौजूद है।

यह कहना है एमपी के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का। वे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को बरकत उल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और सीएम डॉ. मोहन यादव ने स्टूडेंट्स को डिग्री और मार्कशीट सौंपी। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने स्टूडेंट्स को डिग्री और मार्कशीट प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा-राष्ट्र निर्माण के लिए प्रयास छात्रों की जिम्मेदारी- राज्यपाल और कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा विकसित भारत के निर्माण की महती जिम्मेदारी सौंपी है। शिक्षक इस दिशा में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें। विकसित भारत के कर्णधार है। राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करते रहना छात्रों की जिम्मेदारी है।

जिन्हें दीक्षांत मिला है उसमें 90 प्रतिशत बेटियां थीं। इस वर्ष के अलावा अन्य वर्षों की अंकसूची और उपाधियां डिजिटली प्रदान की जाए। विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए गौरव की बात है कि वे शहीद बरकतउल्ला के नाम पर संचालित विश्वविद्यालय के छात्र हैं। उन्होंने बरकतउल्ला को नमन किया। इस विश्वविद्यालय को पीएम उषा योजना से 100 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके लिए वे विश्वविद्यालय को बधाई देते हैं।

सीएम बोले- निःशुल्क उपाधि देगा विश्वविद्यालय- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- बरकत उल्ला विश्वविद्यालय पात्र छात्र-छात्राओं को निःशुल्क उपाधि प्रदान करेगा। यादव ने कहा कि विद्यालय के बाद विश्वविद्यालय और इसके बाद नए जीवन की ओर प्रवेश शुरू होता है। इसके लिए वे सभी को बधाई देते हैं।

स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल, उपाधियां दी गईं- राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल प्रदान किए। उन्होंने कला, वाणिज्य, शारीरिक शिक्षा, शिक्षा, अभियांत्रिकी, तकनीकी शिक्षा, गृह विज्ञान ,जीव विज्ञान, विधि-विज्ञान, समाज विज्ञान सहित अन्य संकायों के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2022-23 की पीएचडी की उपाधियां मंच से प्रदान की गईं। कुलाधिपति द्वारा संकाय तथा विभाग अध्यक्षों द्वारा स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर पर योग्य विद्यार्थियों को डिग्री व उपाधियां प्रदान की गई।

देश का पहला विश्वविद्यालय बना बीयू

राज्यपाल पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिजिटल मार्कशीट और डिग्री प्रदान करने की व्यवस्था का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थी तनु गुलाटी को डिग्री और अनुपमा कुजूर को पीएचडी की उपाधि डिजिटल स्वरूप में प्रदान की गई।

बताया गया कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिजिटल मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस नवाचार के लिए विश्वविद्यालय को बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की सामरिक और योग पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन भी किया।

स्वस्तिवाचन के साथ शोभायात्रा ने हॉल में प्रवेश किया

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर जैन ने विद्यार्थियों को दिए उपदेश में शपथ का वाचन कराया। शपथ के अंतर्गत तैतरेय उपनिषद के 11वें अनुच्छेद से लिए गए अंश का संस्कृत में विद्यार्थियों से वाचन कराया गया। कार्यक्रम शुरू होने के पहले राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंच पर आने के बाद पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान जन मन गण की धुन प्रस्तुत की गई।

इसके पहले बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की शोभा यात्रा ने स्वस्तिवाचन के साथ कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रवेश किया। फिर राज्यपाल व कुलाधिपति मंगुभाई पटेल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने अनुमति प्राप्त कर दीक्षांत समारोह की प्रक्रिया आरंभ की।

कैबिनेट ने केन्द्र को भेजा सोयाबीन 4800 एमएसपी का प्रस्ताव

शिवराज ने कहा- मप्र सरकार जैसे डिमांड करेगी, केन्द्र वैसे खरीदी की परमिशन देगा

भोपाल (नप्र)। मप्र में सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने की मांग को लेकर किसान आंदोलित हैं। कांग्रेस सोयाबीन किसानों की मांग को लेकर जिलों में किसान सम्मेलन कर रही है। अलग-अलग किसान संगठन इस मांग को लेकर जिलों से लेकर गांवों तक प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों के आंदोलन के बीच मप्र की मोहन सरकार ने सोयाबीन के दाम 4800 रुपए प्रति क्विंटल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है।

सुबह शिवराज ने कहा- म.प्र.सरकार जैसे डिमांड करेगी वैसे खरीदी की परमिशन देंगे- आज (मंगलवार) सुबह केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कहा कि मध्य प्रदेश सरकार जैसी डिमांड करेगी वैसे केन्द्र सरकार सोयाबीन की खरीदी कराएगी। भोपाल में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोयाबीन को लेकर कहा नरेंद्र मोदी किसान हितैषी प्रधानमंत्री हैं। सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4 हजार 994 रुपए प्रति क्विंटल तय है और हमारी प्रतिबद्धता है कि हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों का सोयाबीन खरीदेंगे। किसानों को उसके पसीने की पूरी कीमत देना यह मोदी सरकार की भारतीय जनता पार्टी और एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता है। शिवराज के बयान के पांच घंटे बाद हुई मोहन कैबिनेट की मीटिंग में सोयाबीन के दाम 4800 रुपए करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजने की मंजूरी दी गई।

3 राज्यों को मिली सोयाबीन खरीदी की मंजूरी- शिवराज सिंह चौहान ने कहा- सोयाबीन खरीदी के लिए योजना है महाराष्ट्र कर्नाटक जैसे तीन राज्यों ने सोयाबीन खरीदी की मांग की थी और उनको पीएसएस योजना के तहत सोयाबीन खरीदी की अनुमति दी गई है।

नेता प्रतिपक्ष बोले- शिवराज मांग के इंतजार में क्यों बैठे हैं- शिवराज सिंह चौहान के बयान पर मप्र के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पलटवार करते हुए कहा- शिवराज जी के कहने और करने में फर्क है। क्या शिवराज जी का गृह राज्य मप्र नहीं हैं। जब आप दूसरे राज्यों में सोयाबीन की खरीदी करा सकते हैं तो आपको सबसे पहले मप्र से शुरु करानी चाहिए थी।

कांग्रेस के सीएम नहीं, आपके मुख्यमंत्री हैं, उन्हें निर्देशित करें- उमंग सिंघार ने कहा- क्या मुख्यमंत्री कांग्रेस का है? आपके मुख्यमंत्री है। तो आप ऐसा जवाब दे रहे हैं कि हमें मप्र के मुख्यमंत्री जब कहेंगे तब करेंगे। क्या आपका अधिकार नहीं हैं। क्या आप मुख्यमंत्री जी को निर्देशित नहीं कर सकते, आपके प्रधानमंत्री निर्देशित नहीं कर सकते कि सोयाबीन की खरीदी की जाए। यहां के किसानों के साथ छल किया जा रहा है। शिवराज सिंह खुद को किसान नेता मानते हैं। इतने साल मुख्यमंत्री रहे किसानों का आंदोलन कुचलने की बात कही जा रही है। किसानों के आंसू पोंछने की बात नहीं करते। आज किसानों का सोयाबीन तत्काल खरीदा जाना चाहिए। केन्द्र सरकार मुख्यमंत्री को क्यों आदेश जारी नहीं करती।

सिंहस्थ 2028 के लिए मंत्रिमंडलीय समिति की मीटिंग

सीएम बोले- पार्किंग वहां बनाएं जहां से शिप्रा के घाट आस-पास हों, बुजुर्गों को नहीं होगी दिक्कत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में सिंहस्थ के हिसाब से वाहनों की पार्किंग शिप्रा नदी के घाट के आस-पास रखे जाएं ताकि बुजुर्ग श्रद्धालुओं को ज्यादा दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इसके लिए जरूरत के मुताबिक शैक्षणिक संस्थाओं

और अन्य संस्थाओं के मैदान का उपयोग भी पार्किंग में किया जा सकता है। इसके साथ इंदौर उज्जैन मेट्रो के अलावा अन्य रेल सुविधाएं भी उज्जैन तक आने के लिए विकसित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ये निर्देश सिंहस्थः 2028 के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में दिए। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, उदय प्रताप सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, प्रद्युम्न तोमर, धर्मेंद्र सिंह लोधी की मौजूदगी में हुई

बैठक में सीएम यादव एजेंडा के बिंदुओं सिंहस्थ अधोसंरचनाः 2028 कार्य योजना, पड़ाव क्षेत्र में टीपीएस के माध्यम से विकास, पार्किंग परिवहन प्रस्ताव और उज्जैन इंदौर मेट्रो परियोजना पर विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाही की अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

इंदौर और उज्जैन संभागों के लिए महत्वपूर्ण है सिंहस्थ- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सिंहस्थ सिर्फ उज्जैन का नहीं है। यह उज्जैन और इंदौर दोनों संभागों का बड़ा पर्व है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु ओंकारेश्वर और महेश्वर भी जाते हैं। यहां आने वाले यात्री इस संपूर्ण अंचल का भ्रमण करते हैं। इसके अनुसार ही आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुजुर्ग यात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग के स्थान घाट के जितने नजदीक होंगे तो उन्हें सुविधा होगी। यादव ने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं और अन्य संस्थाओं के परिसर के मैदान भी पार्किंग में उपयोग में लिए जाएं। इसके लिए अभी से अध्ययन और सर्वेक्षण कर कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि उज्जैन में केडी गेट से वीर दुर्गादास की छतरी से गोंसा मार्ग की लंबाई पर 4 लाइन मार्ग का निर्माण शीघ्र से शीघ्र पूर्ण किया जाए।

मेट्रो के साथ अन्य रेलवे सुविधाओं पर हो फोकस

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा उज्जैन-इंदौर मेट्रो के साथ ही अन्य रेल सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि रेल मंत्रालय से समन्वय के लिए पूर्व में परिवहन विभाग नोडल विभाग की भूमिका निभा रहा था। अब लोक निर्माण विभाग को यह दायित्व दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पूर्व के स्वीकृत विभागीय कार्यों को भी समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों के जीर्णोद्धार और अन्य घाटों के सौंदर्यीकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कान्ह नदी डायवर्सन और नए बैराज बनाने पर चर्चा

बैठक में कान्ह नदी व्यपवर्तन योजना और नए बैराजों के निर्माण के संबंध में भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डा यादव ने सिंहस्थः 2028 के संदर्भ में विभागों को समन्वय पूर्वक कार्य करने और आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए समय सीमा में कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई ने प्रजेंटेशन दिया। बैठक में लोक निर्माण, जल संसाधन, ऊर्जा, नवकरणीय ऊर्जा, आयुष, संस्कृति और अन्य विभागों द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी दी गई।

प्रिंसिपल पर नौकरी के बदले फेवर मांगने का आरोप

जबलपुर में सरकारी स्कूल की अतिथि शिक्षक बोलीं- रिलेशन बनाने की मांग कर रहे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल पर नौकरी के बदले फेवर मांगने के आरोप लगे हैं। महिला अतिथि शिक्षक का आरोप है कि प्रिंसिपल ने जॉइनिंग के बदले रिलेशन बनाने की डिमांड की है। बात नहीं मानी तो स्कूल से बाहर निकाल दिया जाएगा। मामला बरगी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है।

महिला अतिथि शिक्षक स्टूडेंट्स और अन्य लोगों के साथ सोमवार को एसपी ऑफिस पहुंची। यहां उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में प्रिंसिपल ने स्कूल जॉइन किया, तब से वे परेशान कर रहे हैं। एएसपी सोनाली दुबे ने बरगी पुलिस चौकी प्रभारी को जांच सौंपी है। वहीं, प्रिंसिपल किशन रायखेड़े का कहना है कि आरोप बेबुनियाद हैं। शिकायत करने वाली अतिथि शिक्षक की जॉइनिंग 21 अगस्त 2024 को करवा दी गई है। अतिथि शिक्षक खुद जांच से बच रही हैं।

पहले भी निलंबित हो चुके प्रिंसिपल- टीचर ने बताया कि वह 11 साल से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अतिथि शिक्षक हैं। प्रिंसिपल स्कूल में पढ़ने वाली बच्चियों के साथ भी अभद्र व्यवहार करते हैं। कई बच्चों पर दबाव बनाते हुए प्रिंसिपल ने कोरे कागज पर साइन भी करवा लिए। वजह पूछने पर नहीं बताया। इससे पहले वे शुकरी के स्कूल में थे। वहां भी उनकी इसी तरह की हरकतें थीं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, तब निलंबित भी हुए थे।

12वीं क्लास की एक छात्रा ने बताया, वह प्राइवेट पढ़ाई कर रही है। स्कूल में बैठने के लिए जब प्रिंसिपल से परमिशन लेने गई तो उन्होंने कहा कि अकेले में आना, तब बात करेंगे। फिर स्कूल में बैठने की अनुमति मिलेगी।

प्रिंसिपल बोले- बयान नहीं दे रहीं अतिथि शिक्षक- आरोप पर प्रिंसिपल का कहना है कि जिस अतिथि शिक्षक ने शिकायत की है, उन्हें 21 अगस्त 2024 को दोपहर 12.44 बजे स्कूल में पढ़ाने की अनुमति दे दी गई थी। यह पोर्टल में प्रमाणित है। इसी दिन शाम को 4 बजे भी उन्होंने मेरे खिलाफ शिकायत की। 29 अगस्त को दूसरी बार और फिर 9 सितंबर को बच्चों को भ्रमित करते हुए शिकायत की जा रही है। शिक्षा विभाग की आंतरिक परिवाद की टीम इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने टीचर को कई बार बयान देने के लिए बुलाया, वे नहीं गईं। 4 सितंबर को जिला शिक्षा विभाग की टीम स्कूल आई थी, तब भी अतिथि शिक्षक का कहना था कि उन्हें जांच नहीं करवाना है।मामले को लेकर शासकीय स्कूल बरगी के बाहर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने दिए जांच के निर्देश- एएसपी सोनाली दुबे का कहना है कि महिला अतिथि शिक्षक के बयान लिए गए हैं, इसके साथ ही उन बच्चों से भी बात की जा रही है, जिन्होंने प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बरगी चौकी प्रभारी सरिता पटेल का कहना है कि 4 सितंबर को अतिथि शिक्षक पहली बार चौकी आई थीं और आवेदन दिया था। इससे पहले उन्होंने कभी भी न ही शिकायत दी और न ही बताया कि उन्हें प्रिंसिपल परेशान कर रहे हैं। एसआई सरिता पटेल का कहना है कि अतिथि शिक्षक ने चौकी में आवेदन देने से पहले कलेक्टर, एसपी और जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन दिया है। अधिकारियों के निर्देश पर जांच की जा रही है।

रिपोर्ट का इंतजार, इसके बाद एक्शन लेंगे

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी का कहना है कि जिला शिक्षा कार्यालय में 20 अगस्त को महिला अतिथि शिक्षक ने शिकायत की। लेकिन, इसमें यौन उत्पीड़न जैसी कोई भी शिकायत नहीं थी, इसके कुछ दिन बाद फिर महिला अतिथि शिक्षक ने कलेक्ट्रेट में शिकायत की। इसके बाद पांच सदस्यीय आंतरिक परिवाद समिति को जांच के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्टूडेंट्स दो बसों से पहुंचे एसपी ऑफिस

शासकीय माध्यमिक उच्चतर विद्यालय बरगी नगर में 300 से ज्यादा छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। सोमवार सुबह करीब 10.30 बजे स्कूल लगता है। अधिकतर छात्र अपने-अपने घरों से स्कूल के लिए तो निकले, लेकिन स्कूल न जाकर एसपी ऑफिस गए। 9वीं क्लास के एक छात्र ने बताया कि शिकायत करने वाली मैडम और एक रिटायर्ड सर ने हमें एसपी ऑफिस चलने के लिए कहा था। दो बस की व्यवस्था भी की गई थी। एक बस में छात्र और दूसरी बस में छात्राएं थीं। स्कूल के समय पर परिवार को बिना बताए छात्रों को एसपी ऑफिस ले जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी दोनों टीचर से पूछताछ करेंगे।